www.dainikjayantnews.com
कोटद्वार, शुक्रवार
18 सितम्बर 2026
वर्ष: 49
अंक: 133 पृष्ठ: 8
मूल्य: 2.00

जयन्त

निर्भीक – निष्पक्ष – जनसरोकार

www.dainikjayantnews.com
स्थापित 1979
संस्थापक : स्व. नरेन्द्र उनियाल

डाक पंजीयन पी.ए.ओ.07-2024-26 फोन: 9412081969 email: nagendra.uniyal@gmail.com

हिमाचल-उत्तराखंड और जम्मू-कश्मीर में बर्फबारी

नईदिल्ली/भोपाल/पटना/जयपुर/लखनऊ (एजेंसी)। देश के कई राज्यों में मानसून सक्रिय है। उत्तर प्रदेश और मध्य प्रदेश समेत छह राज्यों में गुरुवार को बारिश का अलर्ट है। हिमाचल प्रदेश और जम्मू-कश्मीर में सीजन की पहली बर्फबारी हुई।

हिमाचल में गुरुवार सुबह रोहतांग, भरमौर और मनाली के पहाड़ों पर एक से डेढ़ इंच बर्फ गिरी। इन क्षेत्रों में 15 अक्टूबर के आसपास हिमपात होता है, लेकिन इस बार करीब एक महीना पहले बर्फ देखने को मिली है।

जम्मू-कश्मीर के बांदीपोरा जिले की गुरेज घाटी में बर्फबारी हुई है। उत्तराखंड के केदारनाथ, हेमकुंड साहिब और चमोली में भी ओलों के साथ हल्की बर्फ गिरी है।

बिहार में बाढ़ से 100 से ज्यादा सड़कें बहीं

देहरादून में गुरुवार सुबह तेज बारिश हुई। पिथौरागढ़ में आदि कैलाश यात्रा मार्ग पर दोबारा लैंडस्लाइड हुई।

बिहार के 15 जिलों में करीब 50 लाख की आबादी अभी भी बाढ़ से प्रभावित है। 26 जिलों में बारिश का यलो अलर्ट है। राज्य में 700 से ज्यादा ग्रामीण सड़कें डूबी थीं, जिनमें 100 से ज्यादा पूरी तरह बह गईं, 400 सड़कें 50 प्रतिशत से ज्यादा टूटीं और 200 क्षतिग्रस्त हैं।

हेमकुंड साहिब में हुई सीजन की पहली बर्फबारी, केदारनाथ धाम में हो रही हल्की बारिश- सिखों के पवित्र धार्मिक स्थल श्री हेमकुंड साहिब में सीजन की पहली बर्फबारी से रौनक लौट आई है. गुरुवार 17 सितंबर सुबह बारिश के साथ हेमकुंड साहिब में ताजा बर्फबारी हुई।

संक्षिप्त समाचार

महाराष्ट्र सरकार की सीक्रेट डिप्लोमेसी और 20 दिन बाद खत्म हुआ मनोज जारांगे का अनशन

मुंबई (एजेंसी)। मराठा आरक्षण एक्टिविस्ट मनोज जारांगे पाटिल ने आज गुरुवार, 17 सितंबर को अपना 20 दिन का अनशन खत्म कर दिया है। मनोज जारांगे ने महाराष्ट्र सरकार से कहा है कि अगर तीन महीने में मराठा आरक्षण पर उनकी मांगों पर विचार नहीं किया गया, तो वे अपना विरोध प्रदर्शन राजधानी मुंबई तक ले जाएंगे।

पेरिस में इंटरनेशनल स्पेस कॉन्फ्रेंस में शामिल होने गए महाराष्ट्र के उद्योग मंत्री उदय सामंत ने मुख्यमंत्री, उपमुख्यमंत्री और जारांगे पाटिल के सहयोगियों के बीच बातचीत कराने में मदद की। मनोज जारांगे पाटिल के अनशन को लेकर कई दौर की बातचीत हुई, जिसमें उदय सामंत ने पेरिस से ही तालमेल बैठाया। उद्योग मंत्री ने मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस और डिप्टी सीएम एकनाथ शिंदे से कई बार बात की। सूत्रों के मुताबिक, कुल सात बार बातचीत हुई।उद्योग मंत्री उदय सामंत ने एक कॉन्फ्रेंस कॉल की, जिसमें वे खुद, मुख्यमंत्री, उपमुख्यमंत्री, मंत्री राधाकृष्ण विखे पाटिल और बीजेपी नेता प्रसाद लाड शामिल रहे।

नासिक में अफसर की टेबल पर कुत्ते छोड़ गए प्रदर्शनकारी

बोरियों में भरकर लाए थे, आवारा कुत्तों को लेकर प्रशासन पर लापरवाही का आरोप

नासिक (एजेंसी)। महाराष्ट्र के नासिक जिले में आवारा कुत्तों की समस्या को लेकर प्रदर्शनकारियों ने अनोखा विरोध किया। युवा सेना (यूबीटी) के कार्यकर्ता बोरियों में कुत्तों को भरकर निफाड़ नगर पंचायत के मुख्य अधिकारी धीरज भामरे के ऑफिस पहुंचे।

यहां उन्होंने बोरियां खोलकर कुत्तों को अफसर की टेबल पर छोड़ दिया। कुत्तों को टेबल पर देखकर अफसर भी चौंक गए।

प्रदर्शनकारियों ने प्रशासन पर शिकायतों के बावजूद आवारा कुत्तों की समस्या को लेकर कार्रवाई नहीं करने का आरोप लगाया और हंगामा भी किया।

लोगों का आरोप- कुत्तों ने कई लोगों को काटा लेकिन एक्शन नहीं- यह प्रदर्शन निफाड़ शहर और आसपास के इलाकों में बढ़ती आवारा कुत्तों की समस्या को लेकर किया गया। प्रदर्शनकारियों का कहना है कि कुत्तों की बढ़ती संख्या से बच्चे, बुजुर्ग और महिलाएं परेशान हैं। उनका दावा है कि कई लोगों को कुत्ते काट चुके हैं। प्रदर्शनकारियों ने कहा कि बार-बार शिकायत और ज्ञापन देने के बावजूद प्रशासन ने कोई ठोस कार्रवाई नहीं की। उन्होंने कुत्तों की नसबंदी, उन्हें पकड़ने की उचित व्यवस्था और उनकी संख्या नियंत्रित करने की मांग की।

पीएम मोदी के जन्मदिवस पर 2100 दीपों से जगमगाया यमुना तट

कालसी,प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के जन्मदिवस के अवसर पर हरिपुर कालसी स्थित मां यमुना का तट आस्था, संस्कृति और विकास के रंग में सराबोर नजर आया। 'आशीर्वाद का दीया' कार्यक्रम के दौरान यमुना तट पर 2100 दीप प्रज्वलित किए गए, जिससे पूरा घाट दीपों की रोशनी से जगमगा उठा। इस अवसर पर मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने साधु-संतों, श्रद्धालुओं और स्थानीय लोगों के साथ मां यमुना की आरती में प्रतिभाग किया। कार्यक्रम के दौरान मां यमुना की प्रतिमा का अनावरण और हरिघाट का लोकार्पण किया गया। मुख्यमंत्री ने मसूरी-देहरादून विकास प्राधिकरण (एमडीडीए) द्वारा करीब 7.52 करोड़ रुपये की लागत से विकसित स्नान घाट भी जनता को समर्पित किया। इसके साथ ही मां यमुना कृष्ण मंदिर का शिलान्यास भी किया गया।

170 मीटर लंबा और 15 मीटर चौड़ा स्नान घाट

हरिपुर कालसी में यमुना नदी के दायीं ओर विकसित यह स्नान घाट 170 मीटर लंबा और 15 मीटर चौड़ा है। एमडीडीए की ओर से तैयार किए गए इस प्रोजेक्ट में श्रद्धालुओं की सुविधा, सुरक्षा और यमुना तट के सौंदर्यीकरण पर विशेष ध्यान दिया गया है। देहरादून-चकराता राष्ट्रीय राजमार्ग-507 पर देहरादून से करीब 45 किलोमीटर की दूरी पर स्थित हरिपुर कालसी जौनसार-बावर क्षेत्र का प्रमुख प्रवेश द्वार माना जाता है। धार्मिक और ऐतिहासिक दृष्टि से भी इस क्षेत्र का विशेष महत्व है। आसपास अशोक शिलालेख, देवस्थल मंदिर और अश्वमेघ यज्ञ स्थल जैसे महत्वपूर्ण स्थल मौजूद हैं।

सुरक्षा दीवारों और प्लेटफॉर्म से बढ़ी सुविधा

घाट के नदी की ओर एमडीडीए द्वारा 170 मीटर लंबी और पांच मीटर ऊंची दो आरसीसी सुरक्षा दीवारें बनाई गई हैं। करीब 2000 वर्गमीटर क्षेत्र में आरसीसी और रेड सैंड स्टोन से दो प्लेटफॉर्म तैयार किए गए हैं। नदी तक श्रद्धालुओं की सुरक्षित पहुंच के लिए सीढ़ियों का निर्माण किया गया है।

पीएम मोदी के 76वें जन्मदिन पर शुभकामनाओं का तांता, भाजपा सेवा संकल्प अभियान शुरू करेगी

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का गुरुवार को 76वां जन्मदिन है। 17 सितंबर, 1950 को गुजरात के वडनगर में उनका जन्म हुआ था। इस अवसर पर केंद्रीय मंत्री, मुख्यमंत्री और भारतीय जनता पार्टी की अगुवाई वाली एनडीए के नेताओं उन्हें जन्मदिन की बधाई दी। इस मौके पर नेताओं ने उनके नेतृत्व, जनसेवा के प्रति समर्पण और देश के विकास में योगदान की तारीफ की। बीजेपी पीएम मोदी के जन्मदिन के मौके पर एक महीने का 'सेवा संकल्प अभियान' भी शुरू कर रही है। यह अभियान 17 अक्टूबर तक चलेगा, जिसमें पूरे देश में सेवा गतिविधियां और आउटरीच प्रोग्राम होंगे। यह अभियान पीएम मोदी के पब्लिक सर्विस में 25 साल पूरे होने का भी प्रतीक है।

बीजेपी के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष लाल सिंह आर्य ने पीएम मोदी को जन्मदिन की शुभकामनाएं दीं।

बीजेपी के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष लाल सिंह आर्य ने पीएम मोदी को जन्मदिन की बधाई देते हुए कहा कि वह एक ऐसे प्रधानमंत्री हैं जो देश में सामाजिक समरसता का मंत्र फूंकते हैं।

खड़गे और राहुल गांधी ने प्रधानमंत्री मोदी को बधाई दी- कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे और राहुल गांधी ने गुरुवार को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को उनके 76वें जन्मदिन पर अच्छी सेहत और लंबी उम्र की शुभकामनाएं दीं।

राजनाथ सिंह ने पीएम मोदी को उनके जन्मदिन की शुभकामनाएं दीं- रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने पीएम मोदी को उनके जन्मदिवस की शुभकामनाएं दीं। उन्होंने एक्स पर लिखा, मोदी जी के नेतृत्व में भारत 'विकसित भारत' के लक्ष्य की ओर पूरे आत्मविश्वास के साथ आगे बढ़ रहा है।

अमित शाह ने पीएम को जन्मदिन की बधाई दी- केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने गुरुवार को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को जन्मदिन की बधाई दी, उनकी 25 साल की जनसेवा की तारीफ की और उनके राजनीतिक सफर को त्याग, देश सेवा और पक्के इरादे की मिसाल बताया।

निर्मला सीतारमण ने पीएम मोदी को शुभकामनाएं दीं- केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने गुरुवार को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को उनके 76वें जन्मदिन पर शुभकामनाएं दीं और कहा कि वह अशांत समय के बीच देश को विकसित भारत की ओर ले जा रहे हैं।

बीजेपी चीफ नबीन ने जन्मदिन पर पीएम मोदी की लंबी उम्र की कामना की- भाजपा अध्यक्ष नितिन नबीन ने गुरुवार को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को जन्मदिन की बधाई देते हुए उनके अच्छे स्वास्थ्य और लंबी उम्र की कामना करते हुए कहा कि उनके मार्गदर्शन में भारत विकास और आत्मनिर्भरता की नई ऊंचाइयों को छू रहा।

उपराष्ट्रपति राधाकृष्णन ने पीएम मोदी के विजन की तारीफ की- उपराष्ट्रपति सीपी राधाकृष्णन ने गुरुवार को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को उनके 76वें जन्मदिन पर दिल से बधाई दी। उन्होंने पीएम मोदी के शासन में भारत की आर्थिक मजबूती, गरीबी कम करने और सबको साथ लेकर चलने वाले विकास के कामों पर जोर दिया।

केंद्रीय मंत्री अश्विनी वैष्णव ने जन्मदिन की बधाई दी- रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव ने गुरुवार को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को उनके 76वें जन्मदिन पर हार्दिक बधाई दी, और जनसेवा के प्रति उनके अटूट समर्पण को देश के लिए प्रेरणा बताया।

पीएम मोदी का 76वां जन्मदिन

बंगाल में अन्नपूर्णा योजना की किश्त जारी

शाह बोले- मोदी दुनिया के सबसे लोकप्रिय नेता

भोपाल/जयपुर/लखनऊ/पटना/अहमदाबाद (एजेंसी)। पीएम मोदी का गुरुवार को 76वां जन्मदिन है। इस मौके पर देशभर में सेवा-संकल्प अभियान के तहत कार्यक्रम हो रहे हैं। उन्होंने वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग से पश्चिम बंगाल में अन्नपूर्णा योजना की किश्त जारी की। मोदी ने कहा कि बंगाल के लोगों को लंबे समय तक केंद्र की योजनाओं को लाभ नहीं मिल पाया, जिससे उन्हें नुकसान हुआ।

वहीं, गृह मंत्री अमित शाह ने कहा कि पीएम मोदी दुनिया के सबसे लोकप्रिय नेताओं में हैं। उन्होंने मोदी के जन्मस्थान वडनगर से वाराणसी तक करीब 1300 किमी की बाइक रैली रवाना की। वाराणसी से भी वडनगर के लिए बाइक रैली शुरू हुई। इसमें करीब 600 बाइकर्स, 10 राज्य और 193 जिले शामिल होंगे। इसका समापन 7 अक्टूबर को होगा।

मप्र उज्जैन में आशीर्वाद के दिए जगमगाए- मप्र उज्जैन में आशीर्वाद के दीये जगमगाए। भाजपा अध्यक्ष नितिन नवीन ने सोशल मीडिया के जरिए देशवासियों से घर के बाहर दीये जलाने की अपील की थी।

वाराणसी में बाइकर्स को लड्डू बांटे गए- उत्तर प्रदेश के सीएम योगी आदित्यनाथ, रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह, आंध्र प्रदेश के सीएम चंद्रबाबू नायडू, केंद्रीय मंत्री चिराग पासवान और एमओएस पंकज चौधरी ने वाराणसी में बाइकर्स को लड्डू बांटे। ये वाराणसी से वडनगर जाएंगे और पीएम की 25 साल की सेवा का संदेश फैलाएंगे।

पश्चिम बंगाल: हुगली नदी किनारे 8.5 लाख दीये जलाए - 17 सितंबर की शाम हुगली नदी के किनारे 10 से अधिक घाटों को रोशन किया। कदमताल घाट पर अकेले एक लाख दीये रोशन हुए।

सीएम रेखा ने दान किए शरीर के 14 अंग

पीएम मोदी के जन्मदिन पर पेश की अनूठी मिसाल, मरणोपरांत भी धड़केगा दिल

नईदिल्ली (एजेंसी)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के जन्मदिवस के अवसर पर दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने मानवता और परोपकार की एक प्रेरणादायक मिसाल पेश की है। मुख्यमंत्री ने इस खास मौके पर अपने शरीर के विभिन्न अंगों और ऊतकों के महादान का संकल्प लिया है, जो चिकित्सा जगत और जरूरतमंदों के जीवन में एक नई उम्मीद की किरण जगाएगा।

सेमीकॉन इंडिया 2026 का पीएम मोदी ने किया उद्घाटन, बोले-

भारत पर बढ़ रहा भरोसा

नई दिल्ली(एजेंसी)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने आज गुरुवार को दिल्ली के यशोभूमि कन्वेंशन सेंटर में सेमीकॉन इंडिया 2026 प्रदर्शनी का उद्घाटन किया। इससे पहले उन्होंने वहां का दौरा किया और प्रतिभागियों से बातचीत भी की। नई दिल्ली में आयोजित दो दिवसीय 17 से 19 सितंबर तक होने वाला यह इवेंट इंडस्ट्री की भागीदारी, पॉलिसी की दिशा और इंटरनेशनल पार्टनरशिप पर केंद्रित है। इलेक्ट्रॉनिक्स और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय के अनुसार, यह कॉन्फ्रेंस सिलिकॉन टू सिस्टम्सः बिल्डिंग द इकोसिस्टम थीम के तहत इंडिया सेमीकंडक्टर मिशन (आईएसएम), मेटी बाय और ग्लोबल इंडस्ट्री बॉडी एमईएमआई द्वारा संयुक्त रूप से आयोजित की जा रही है।

रांची आरएसएस कार्यालय पेट्रोल बम हमला कांड

ईडी ने शुरू की फंडिंग की जांच, चार राज्यों में छापेमारी

रांची (एजेंसी)। राजधानी रांची के निवारणपुर स्थित आरएसएस कार्यालय पर हुए पेट्रोल बम हमले की जांच अब वित्तीय लेन-देन तक पहुंच गई है। प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) गुरुवार को इस मामले से जुड़े कथित फंडिंग एंगल की जांच कर रही है। एजेंसी ने दिल्ली, बिहार, झारखंड और कर्नाटक में चार ठिकानों पर एक साथ तलाशी अभियान शुरू किया है। मामले में प्रेडिकेट ऑफेंस एनआईए की ओर से दर्ज किया गया है। जानकारी के अनुसार छापेमारी ईडी की दिल्ली टीम द्वारा की जा रही है।

चार राज्यों में एक साथ तलाशी अभियान- ईडी की कार्रवाई दिल्ली, बिहार, झारखंड और कर्नाटक में चल रही है। एजेंसी की जांच का मुख्य फोकस एनआईए के मामले से जुड़े कथित वित्तीय लेन-देन और मनी ट्रेल पर है।

सुप्रीम कोर्ट ने कहा

तमिलनाडु में हिंदी पढ़ाने से नहीं रोक सकते

दिल्ली से अलग-थलग नहीं चेन्नई, राज्य सरकार भाषा पर अपनी सोच बदले

नईदिल्ली (एजेंसी)। सुप्रीम कोर्ट ने गुरुवार को तमिलनाडु सरकार से कहा कि हिंदी को लेकर आपको अपनी सोच बदलने की जरूरत है। जस्टिस बीवी नागरत्ना और जस्टिस ऑगस्टीन जॉर्ज मसीह की बेंच ने कहा कि ऐसा नहीं हो सकता कि तमिलनाडु की धरती पर हिंदी नहीं पढ़ाई जाएगी।

कोर्ट ने चेन्नई और दिल्ली को एक-दूसरे से अलग-थलग करने की सोच पर भी सवाल उठाया। कोर्ट ने कहा कि चेन्नई में बैठे लोगों को दिल्ली में बैठे लोगों से अलग नहीं होना चाहिए और न ही दिल्ली को चेन्नई से।

कोर्ट की यह टिप्पणी तमिलनाडु सरकार की एक याचिका पर सुनवाई के दौरान आई। राज्य ने मद्रास हाईकोर्ट के उस फैसले को चुनौती दी है, जिसमें हर जिले में नवोदय विद्यालय शुरू करने का आदेश दिया गया था। राज्य सरकार का कहना है कि नवोदय विद्यालयों की व्यवस्था उसकी शिक्षा और भाषा नीति से मेल नहीं खाती।

नवोदय विद्यालयों की स्थापना को लेकर राज्य और केंद्र में विवाद- पूरा मामला तमिलनाडु में नवोदय विद्यालय खोलने को लेकर है। ये केंद्र सरकार की मदद से चलने वाले आवासीय स्कूल हैं। यहां लड़के और लड़कियां दोनों पढ़ते हैं और छात्रों के रहने की भी व्यवस्था होती है।

यूपीआई पर शुल्क लगा तो बंद हो सकते हैं 2000 रुपये से ऊपर के ऑनलाइन भुगतान

सीटीआई ने दी आंदोलन की चेतावनी

नई दिल्ली (एजेंसी)। सरकार द्वारा 2000 रुपये से अधिक के डिजिटल यूपीआई ट्रांजैक्शन पर मर्चेंट डिस्काउंट रेट (एमडीआर) यानी शुल्क लगाने की संभावनाओं के बीच व्यापारियों और पेट्रोल पंप संचालकों में भारी रोष है। दिल्ली के प्रमुख व्यापारिक संगठन चैंबर ऑफ ट्रेड एंड इंडस्ट्री (सीटीआई) ने इसका कड़ा विरोध करते हुए चेतावनी दी है कि यदि यह शुल्क थोपा गया तो व्यापारी सड़कों पर उतरकर आंदोलन करेंगे।

पेट्रोल पंप संचालकों की बढ़ेगी मुश्किल

सीटीआई के चेयरमैन बृजेश गोयल ने बताया कि देश के कई पेट्रोल पंप संचालकों ने संगठन से संपर्क कर अपनी चिंता जताई है। संचालकों का कहना है कि अगर 2000 रुपये से ऊपर के यूपीआई पेमेंट पर शुल्क लगता है, तो वे ऑनलाइन भुगतान लेना बंद कर सकते हैं।

उत्तराखण्ड शासन

देवभूमि रजत उत्सव

सुलभ मार्ग, दिव्य दर्शन— सर्दियों में भी चारधाम का आशीर्वाद

सर्दियों के दौरान जब हिमपात के कारण चारधाम (यमुनोत्री, गंगोत्री, केदारनाथ और बद्रीनाथ) के कपाट बंद हो जाते हैं, तब उनके विग्रह प्रतिमाओं को पारंपरिक डोली यात्रा के माध्यम से नजदीकी शीतकालीन पूजा स्थलों में स्थापित किया जाता है। इन ही मंदिरों में 6 महीनों तक पूजा-अर्चना और दर्शन किए जाते हैं। इसे ही **विंटर चारधाम यात्रा** कहा जाता है। शीतकालीन पूजा के दौरान भक्तगण बिना कठिन पर्वतीय यात्रा के अधिक सुलभ मार्ग से दिव्य दर्शन का सौभाग्य प्राप्त करते हैं। इस अवधि में पारंपरिक डांडियों, ढोल-नगाड़ों की गूंज और स्थानीय सांस्कृतिक परंपराओं का अद्भुत अनुभव श्रद्धालुओं को एक अनोखी आध्यात्मिक अनुभूति प्रदान करता है। साथ ही, आसपास स्थित धार्मिक स्थलों, प्राकृतिक सौंदर्य से भरपूर स्थानों और पर्यटन स्थलों के विशिष्ट आकर्षणों को भी करीब से देखने का अवसर मिलता है। शीतकालीन चार धाम व्यवस्था न केवल आस्था का उत्सव है, बल्कि स्थानीय अर्थव्यवस्था, होमस्टे एवं ग्रामीण पर्यटन को भी महत्वपूर्ण रूप से बढ़ावा देती है, जिससे क्षेत्रीय समुदाय की आजीविका और समृद्धि को नए आयाम मिलते हैं।

"माननीय प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी जी के दूरदर्शी नेतृत्व में हम अपने राज्य की प्राकृतिक सुंदरता, समृद्ध सांस्कृतिक विरासत और अपार संभावनाओं का लाभ उठाते हुए समग्र विकास के लिए प्रतिबद्ध हैं। हमारा लक्ष्य स्थायी नीतियों और रणनीतिक पहलों के माध्यम से राज्य के आर्थिक विकास को बढ़ावा देना, बुनियादी ढांचे में सुधार करना और नागरिकों की जीवन में गुणवत्ता को बेहतर करना है।"

पुष्कर सिंह धामी
मुख्यमंत्री, उत्तराखण्ड

"21वीं सदी के विकसित भारत के निर्माण के दो प्रमुख स्तंभ हैं। पहला, अपनी विरासत पर गर्व और दूसरा, विकास के लिए हर संभव प्रयास। आज उत्तराखण्ड इन दोनों ही स्तंभों को लगातार मजबूत कर रहा है। ये दशक उत्तराखण्ड का दशक होगा।"

नरेन्द्र मोदी
प्रधानमंत्री

प्रकृति की पवित्र पहचान— GI टैग वाले उत्तराखंडी उत्पाद

Geographical Indications of Goods (Registration and Protection) Act, 1999 के अंतर्गत GI टैग उन वस्तुओं को मिलता है जो **विशिष्ट भौगोलिक क्षेत्र** से आती हैं और जिनमें उस क्षेत्र विशेष की **प्राकृतिक विशेषताएँ, उत्पादन पद्धति या सामाजिक-सांस्कृतिक परंपरा** जुड़ी होती है। GI टैग का मुख्य उद्देश्य है: उस उत्पाद को "सिर्फ उस क्षेत्र का असली संस्करण" बताना, नकली या अन्य स्थानों में बनाये गए समान उत्पादों से उसे अलग करना, और स्थानीय किसानों/कुशल कारिगरों को आर्थिक लाभ देना।

उत्तराखंड के GI-टैग वाले उत्पादों की सूची -

- तेजपात
- बेरीनाग चाय
- मंडुआ
- गहत
- बुरांस का शरबत
- सफ़ेद राजमा
- लीची (रामनगर)
- झंगोरा
- काला भट्ट
- पहाड़ी तोर
- लखौरी मिर्च (अल्मोड़ा)
- रामगढ़ आड़ू
- लाल चावल (पुरोला)
- माल्टा
- बिछुआ

हस्तशिल्प और अन्य उत्पाद

ऐपण कला
पारंपरिक कुमाऊँनी कला

रिंगाल शिल्प
रिंगाल बाँस से बने हस्तशिल्प

टम्टा
ताँबे के उत्पाद

थुलमा
एक प्रकार का हस्तशिल्प

भोटिया दान
भोटिया समुदाय की एक हस्तशिल्प वस्तु

लिखाई लकड़ी की नक्काशी
लकड़ी पर की गई जटिल नक्काशी

नैनीताल मोमबत्ती
नैनीताल में बनने वाली मोमबत्तियाँ

कुमाऊँनी रंगीन पिछौड़ा
पारंपरिक रूपांकनों वाला एक रंगीन कपड़ा

रम्माण मुखौटा
चमोली रम्माण उत्सव में इस्तेमाल होने वाले लकड़ी के मुखौटे

परिवार-सा अपनापन और पहाड़ों सा सुकून-उत्तराखण्ड होमस्टे

उत्तराखण्ड के होमस्टे न सिर्फ़ यात्रियों को पहाड़ों के बीच सुकून भरा ठहराव देते हैं, बल्कि स्थानीय लोगों के लिए आय का महत्वपूर्ण साधन भी बन रहे हैं। पर्यटक जब किसी गाँव या छोटे कस्बे में होमस्टे में रुकते हैं, तो उन्हें स्थानीय संस्कृति, भोजन, परंपराओं और ग्रामीण जीवन का असली अनुभव मिलता है। वहीं दूसरी ओर, होमस्टे से मिलने वाली कमाई सीधे स्थानीय परिवारों तक पहुँचती है, जिससे उनकी रोज़गार के अवसर बढ़ते हैं। इससे पहाड़ों से पलायन कम होता है, महिलाएँ आत्मनिर्भर बनती हैं और गाँवों की अर्थव्यवस्था मजबूत होती है।होमस्टे की यह व्यवस्था पहाड़ के हर घर को पर्यटन से जोड़ती है—जहाँ पर्यटक को परिवार जैसा

विंटर वंडरलैंड – बर्फ से ढ़के पहाड़ों की गोद में एक यादगार सफ़र

उत्तराखण्ड की सर्दियाँ— रोमांच, अध्यात्म और प्रकृति प्रेम का अद्भुत संगम, बर्फ से ढकी ऊँची पर्वत चोटियाँ, शांत झीलों का निर्मल सौन्दर्य, देवालयों में गूँजती घंटियों की ध्वनि और ठंडी हवाओं का मधुर स्पर्श—सर्दियों में उत्तराखण्ड अपने सबसे खूबसूरत रूप में जीवंत हो उठता है। यह मौसम पहाड़ों की असली आत्मा को करीब से महसूस करने का दुर्लभ अवसर देता है।

जब ऊँचे हिमालयी क्षेत्र बर्फ की सफेद चादर ओढ़ लेते हैं, तब राज्य के कई स्थल एक खास विंटर टूरिज़्म सीज़न के रूप में पर्यटकों का स्वागत करते हैं। विंटर चारधाम पूजा, बर्फीले बुग्याल, रोमांचकारी ट्रेकिंग मार्ग, वॉटर स्पोर्ट्स पारंपरिक गाँवों में होमस्टे, और सांस्कृतिक उत्सव—ह अनुभव इस यात्रा को यादगार बना देता है।

यह यात्रा केवल आत्मिक शांति और प्राकृतिक सौन्द का उपहार नहीं, बल्कि स्थानीय समुदायों की आजीविक होमस्टे, और ग्रामीण पर्यटन को नई शक्ति देने वाला अवस भी है, जिससे क्षेत्र की अर्थव्यवस्था और समृद्धि को एक नय रास्ता मिलता है।

मा० प्रधानमंत्री जी द्वारा उत्तराखंड आने वाले पर्यटकों से आग्रह

सिंगल-यूज़ प्लास्टिक से बचें

हिमालय के शांत परिदृश्यों की खोज करते समय, स्वच्छता को प्राथमिकता दें। पहाड़ों के नाजुक पर्यावरण की रक्षा के लिए हमेशा सिंगल- यूज़ प्लास्टिक से बचें।

यातायात नियमों का पालन करें

पहाड़ों में यात्रा करते समय, यातायात नियमों का सख्ती से पालन करें। सतर्क रहें क्योंकि हर जीवन अनमोल है। अपनी सुरक्षा सुनिश्चित करें और दूसरों की सुरक्षा का सम्मान करें।

वोकल फॉर लोकल

अपनी यात्रा के दौरान, स्थानीय उत्पाद खरीदकर स्थानीय अर्थव्यवस्था का समर्थन करें। अपने यात्रा खर्च का कम से कम 5% प्रामाणिक स्थानीय वस्तुएँ

तीर्थ स्थलों की पवित्रता का सम्मान करें

धार्मिक स्थलों पर जाते समय परंपराओं, रीति- रिवाजों और स्थानीय रीति-रिवाजों का सम्मान करें। इन पवित्र स्थलों की गरिमा बनाए रखें और नियमों को समझने और उनका उचित पालन करने के

गोखले मार्ग साफ, अन्य मार्गों पर बढ़ी चुनौती

कोटद्वार के देवी रोड में सड़क किनारे खड़ी रेहड़ी-ठेली

जयन्त प्रतिनिधि।

कोटद्वार : कुछ माह पूर्व नगर निगम ने गोखले मार्ग पर सड़क किनारे सफेद पट्टी खींचकर अतिक्रमणकारियों को सख्त हिदायत दी। मार्ग पर नजर रखने के लिए बाकायदा सीसीटीवी कैमरे तक लगाए गए हैं। निगम की इस सख्ती के बाद गोखले मार्ग की स्थिति तो सुधर गई। लेकिन, यहां से हटे रेहड़ी-ठेली व फड़ वालों ने अन्य स्थानों पर कब्जा जमा दिया है। सबसे बुरी स्थिति देवी रोड की बनी हुई है। बेतरतीब तरीके से खड़े रेहड़ी-ठेली के कारण हादसों का अंदेशा बना हुआ है।

अतिक्रमण को लेकर गोखले मार्ग दशकों से एक चुनौती बना हुआ था। मार्ग पूरी तरह रेहड़ी-ठेली व फड वाले के कब्जे में था। ऐसे में करीब दो माह पूर्व नगर निगम ने योजना तैयार की ओर गोखले मार्ग के दोनों ओर सफेद पट्टी खींच कर पट्टी के बाहर दुकान या रेहड़ी-ठेली लगाने वालों को कार्रवाई की सख्त चेतावनी दी गई। साथ ही निगम ने मार्ग पर सीसीटीवी कैमरे भी लगाए। निगम अधिकारी अपने कार्यालय में बैठकर अतिक्रमण की पूरी स्थिति पर नजर रखते हैं। लेकिन, यहां से हटे रेहड़ी-ठेली वालों ने देवी रोड सहित अन्य मार्गों पर कब्जा जमा दिया है। पहले से ही अतिक्रमण का दंश झेल रहे देवी रोड में अब रेहड़ी-ठेली वाले भी चुनौती बन गए हैं। सुबह से शाम तक रेहड़ी-ठेली एक कतार में खड़ी रहती हैं। ऐसे में जहां मार्ग पर जाम की स्थिति बनी रहती है वहीं, अतिक्रमण के कारण आमजन का पैदल चलना भी मुश्किल हो गया है।

ऑटो व बेतरतीब खड़े वाहन भी चुनौती

देवी रोड में आटो चालकों की भी अवैध पार्किंग संचालित हो रही है। पनियाली गदेरे पर बनी पुलिया के समीप सड़क पर खड़े आटो हादसों को न्यौता दे रहे हैं। वहीं, मोटर नगर में भी आटो खड़े रहते हैं। साथ ही दुकान व बड़े-बड़े कांपलेक्स के बाहर खड़े दोपहिया वाहन भी चुनौती बने हुए हैं। हालत यह है कि व्यापारियों ने बड़े-बड़े कांपलेक्स तो खड़े कर दिए लेकिन, पार्किंग की कोई व्यवस्था नहीं है।

लैंसडौन पहुंचेंगे एनएसए अजीत डोभाल और सीडीएस जनरल एनएस राजा सुब्रमणि

जयन्त प्रतिनिधि। कोटद्वार : राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार (एनएसए) अजीत डोभाल और चीफ ऑफ डिफेंस स्टाफ (सीडीएस) जनरल एनएस राजा सुब्रमणि 19 सितंबर को लैंसडौन पहुंचेंगे। गढ़वाल राइफल्स के मुख्यालय पहुंचने पर दोनों वरिष्ठ अधिकारियों का सैन्य परंपराओं के अनुरूप गर्मजोशी से स्वागत किया जाएगा। दोनों अधिकारियों के दौरे को लेकर सेना की ओर से व्यापक तैयारियां शुरू कर दी गई हैं।

19 सितंबर को दोनों अधिकारियों का लैंसडौन में रात्रि प्रवास भी रहेगा। इस दौरान वे गढ़वाल राइफल्स के अग्निवीरों से मुलाकात कर उनसे संवाद करेंगे। साथ ही सेना की ओर से संचालित विभिन्न गतिविधियों का भ्रमण कर सैन्य गतिविधियों और तैयारियों की जानकारी लेंगे। बता दें कि राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार अजीत डोभाल का गढ़वाल राइफल्स के मुख्यालय लैंसडौन का यह पहला दौरा है। उनके पहली बार रेजिमेंटल सेंटर पहुंचने को लेकर गढ़वाल राइफल्स के अधिकारियों और जवानों में खासा उत्साह है। वहीं, सीडीएस जनरल एनएस राजा सुब्रमणि का भी गढ़वाल राइफल्स के साथ विशेष रेजिमेंटल जुड़ाव रहा है। दोनों वरिष्ठ अधिकारियों के दौरे को लेकर तैयारियों को अंतिम रूप दिया जा रहा है।

संक्षिप्त समाचार

संदिग्ध परिस्थितियों में शाखा के प्रबंधक की मौत, कमरे में लटका मिला शव

जयन्त प्रतिनिधि। कोटद्वार : भारतीय स्टेट बैंक की धुमाकोट शाखा के प्रबंधक की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत हो गई। पुलिस ने उनके कमरे से रस्सी के सहारे एक सरिये से लटका शव बरामद किया है। प्रथम दृष्टया पुलिस मामले को आत्महत्या का मान रही है।

भारतीय स्टेट बैंक की धुमाकोट शाखा के प्रबंधक गणेश सिंह नेगी के स्वजन उन्हें कल से फोन कर रहे थे। लेकिन, वह फोन नहीं उठा रहे थे। गुरूवार सुबह उनके पिता ने बैंक के एक कर्मी को फोन कर बेटे के कमरे में जाकर बात करवाने का आग्रह किया। जब कर्मी कमरे में पहुंचा तो कमरे का दरवाजा खुला हुआ था, जबकि किचन में गणेश का शव एक सरिये से बंधी रस्सी के सहारे लटक रहा था। सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और शरीर को रस्सी से उतार चिकित्सालय भेजा। जहां उन्हें मृत घोषित कर दिया गया। गणेश ने कुछ समय पूर्व ही बैंक में कार्यभार संभाला था। वे मेरठ से स्थानांतरित होकर धुमाकोट आए थे। शाखा प्रबंधक के माता-पिता मेरठ में थाना कंकरखेड़ा के अंतर्गत श्रद्धापुरी फेस-2 में रहते हैं। जबकि उनकी पत्नी कोटद्वार के मोहल्ला गाड़ीघाट में रह रही हैं। दो माह पूर्व जब गणेश का धुमाकोट स्थानांतरण हुआ तो उनकी पत्नी भी उनके साथ आ गई और कोटद्वार में रहने लगीं।

मकान ढहा, महिला ने छज्जे से कूदकर बचाई जान

देवप्रयाग : विकासखंड देवप्रयाग के पौसाड़ा गांव में बृहस्पतिवार सुबह अचानक एक मकान भरभराकर गिर गया। हादसे के समय मकान के छज्जे पर मौजूद रामेश्वरी देवी (45) ने ऐन मौके पर वहां से नीचे कूद मार दी। इससे उनकी जान तो बच गई लेकिन उनकी दुधारू भैंस की मलबे में दबकर मौत हो गई। हादसे के समय उनका 15 साल का बेटा किसी काम के लिए गया हुआ था। पौसाड़ा गांव निवासी रामेश्वरी देवी के पति का निधन हो चुका है। उनके तीन बच्चे हैं। दो बेटियों की शादी और चुकी है और एक बेटा है। उनका यहां 45 साल पुराना पठाल का मकान है। गुरूवार को रामेश्वरी देवी मकान के छज्जे पर कुछ काम कर रही थीं। मकान के दरकने की आवाज सुनकर रामेश्वरी देवी ने छज्जे से नीचे छलांग दी गई। किसी तरह उनकी जान बच गई लेकिन दुधारू भैंस की मलबे में दबकर मौत हो गई। पति के निधन के बाद रामेश्वरी देवी के परिवार के जीविकोपार्जन का एकमात्र सहारा यह दुधारू भैंस ही थी। वह दूध बेचकर किसी तरह बच्चों का लालन-पालन कर रही थीं। ग्राम प्रधान रीता देवी ने सरकार से पीड़ित परिवार के लिए नया मकान बनाने और उचित मुआवजा देने की मांग की। वहीं पटवारी दिनेश बिजल्वाण, कानूनगो विशाल असवाल ने मौके पर जाकर नुकसान का जायजा लिया। (एजेंसी)

शिविर में 80 लोगों ने किया रक्तदान

श्रीनगर गढ़वाल : संत निरंकारी मिशन की सामाजिक शाखा संत निरंकारी चैरिटेबल फाउंडेशन की शाखा श्रीनगर की ओर से गुरूवार को रक्तदान शिविर लगाया गया। मेडिकल कॉलेज एवं बेस अस्पताल के ब्लड बैंक की टीम ने 80 यूनिट रक्त एकत्रित किया। शिविर में मसूरी के जोनल इंचार्ज हरभजन सिंह ने इसे मानवता की सेवा के लिए महत्वपूर्ण बताया। मिशन के मीडिया सहायक गम्मा सिंह ने बताया कि बाबा हरदेव सिंह का संदेश 'रक्त नालियों में नहीं, नाड़ियों में बहना चाहिए' लोगों को रक्तदान के लिए प्रेरित कर रहा है। उच्च शिक्षामंत्री डॉ. धन सिंह रावत ने मिशन के नशामुक्ति, रक्तदान आदि कार्यक्रमों की सराहना की। कार्यक्रम में मेयर आरती भंडारी व शिविर के संयोजक हरिलाल शाह मौजूद रहे।

लैंसडौन विस क्षेत्र में मुख्यमंत्री चैंपियनशिप ट्रॉफी का शुभारंभ

जयन्त प्रतिनिधि। लैंसडौन : खेल महाकुंभ के अंतर्गत लैंसडौन विधानसभा क्षेत्र की मुख्यमंत्री चैंपियनशिप ट्रॉफी का शुभारंभ गुरुवार को मुख्य अतिथि क्षेत्रीय विधायक महंत दिलीप रावत ने किया। प्रतियोगिता में विधानसभा क्षेत्र के तीनों विकासखंड जयहरीखाल, नैनीडांडा और रिखणीखाल के विद्यालयों के खिलाड़ी प्रतिभाग करेंगे। प्रतियोगिताओं का आयोजन 17 से 21 सितंबर 2026 तक किया जाएगा। इस दौरान कबड्डी, फुटबॉल, बैडमिंटन, एथलेटिक्स सहित विभिन्न खेल प्रतियोगिताएं आयोजित होंगी। प्रतियोगिता में विद्यालय स्तर के खिलाड़ियों को अपनी प्रतिभा प्रदर्शित करने का अवसर मिलेगा। मुख्य अतिथि विधायक महंत दिलीप रावत ने खिलाड़ियों का उत्साहवर्धन करते हुए कहा कि खेल महाकुंभ ग्रामीण क्षेत्रों की खेल प्रतिभाओं को आगे बढ़ाने और उन्हें बेहतर मंच उपलब्ध कराने का महत्वपूर्ण माध्यम है। उन्होंने प्रतिभागी खिलाड़ियों को अनुशासन एवं खेल भावना के साथ प्रतियोगिता में भाग लेने के लिए प्रेरित किया। कार्यक्रम में विशिष्ट अतिथि जयहरीखाल ब्लॉक प्रमुख रणवीर सिंह सजवाण रहे। इस अवसर पर कनिष्ठ उपप्रमुख पूनम मैंदोला, भाजपा मंडल अध्यक्ष चंद्रकांत द्विवेदी, महिला मोर्चा अध्यक्ष मीना रौतेला सहित अन्य जनप्रतिनिधि एवं खेलप्रेमी मौजूद रहे।

सेवा सुशासन दिवस एवं सेवा संकल्प अभियान का हुआ आयोजन

जयन्त प्रतिनिधि। कोटद्वार : उत्तराखंड शासन एवं मुख्य शिक्षा अधिकारी पौड़ी गढ़वाल व निदेशक प्रारम्भिक शिक्षा उत्तराखंड के निर्देशानुसार गुरूवार को एकेश्वर ब्लॉक के जनता इण्टर कॉलेज कमलपुर, संगलाकोटी मे सेवा सुशासन दिवस एवं सेवा संकल्प अभियान का आयोजन किया गया। प्रधानाचार्य संजय सिंह रावत ने विशेष प्रार्थना सभा में आशीर्वाद का दीया कार्यक्रम के तहत दीप प्रज्ज्वलन कर शुभारंभ किया।

उन्होंने सेवा एवं सुशासन के महत्व के बारे में विस्तार से जानकारी दी। प्रवक्ता अंग्रेजी किशन सिंह सर्गवान छात्रों को सरकार द्वारा चलाई जा रही योजनाओं के बारे में बताया। प्रवक्ता रसायन विभाग अनूप कुमार ने छात्रों को प्रतियोगिताओं में प्रतिभाग करने हेतु प्रेरित किया। कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य छात्रों के मध्य सुशासन, जनसेवा, समाजोपयोगी गतिविधियों तथा विकसित भारत 2047 की परिकल्पना हेतु जागरूकता फैलाना एवं विभिन्न शैक्षणिक व रचनात्मक गतिविधियों का सफल संचालन करना रहा। इस मौके पर क्रीड़ा प्रभारी अनिल सिंह नेगी, शिक्षक विजय पाल आर्य, सुधीर कुमार आदि मौजूद थे।

मोदी के जन्मदिवस पर सेवा का लिया संकल्प

बेस अस्पताल में 40 यूनिट रक्तदान, 150 लोगों ने कराया पंजीकरण

जयन्त प्रतिनिधि। कोटद्वार : प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के जन्मदिवस के अवसर पर भारतीय जनता युवा मोर्चा की ओर से बेस अस्पताल कोटद्वार में रक्तदान शिविर आयोजित किया गया। युवा मोर्चा जिलाध्यक्ष शान्ता बमराड़ा के नेतृत्व में आयोजित शिविर में 40 यूनिट रक्त एकत्र किया गया, जबकि 150 लोगों ने रक्तदान के लिए पंजीकरण कराया। शिविर में बड़ी संख्या में युवाओं ने भागीदारी की। इस अवसर पर भाजपा जिलाध्यक्ष राज गौरव नौटियाल ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का जन्मदिवस समाज के प्रति दायित्व निभाने और सेवा का संकल्प लेने का अवसर है।

भाजपा युवा मोर्चा जिलाध्यक्ष शान्ता बमराड़ा ब्लड़ बैंक कोटद्वार में रक्तदान करते हुए।

रक्तदान ऐसा कार्य है, जिसका सीधा संबंध जरूरतमंद व्यक्ति के जीवन से है। उन्होंने रक्तदाताओं और आयोजन को सफल बनाने वाले कार्यकर्ताओं का आभार जताया। युवा मोर्चा जिलाध्यक्ष शान्ता बमराड़ा ने कहा कि प्रधानमंत्री के जन्मदिवस को जनसेवा से जोड़ना युवा मोर्चा की प्रतिबद्धता है। उन्होंने कहा कि रक्तदान केवल एक यूनिट रक्त देना नहीं, बल्कि किसी अनजान व्यक्ति के जीवन की उम्मीद बनना है। शिविर में युवाओं की बड़ी भागीदारी सेवा भावना को दर्शाती है। उन्होंने बताया कि 150 लोगों का पंजीकरण होना रक्तदान के प्रति बढ़ती जागरूकता का प्रमाण है। उन्होंने युवाओं से भविष्य में भी ऐसे सामाजिक सरोकारों से जुड़ने का आह्वान किया। बमराड़ा ने बेस अस्पताल के चिकित्सकों, स्वास्थ्यकर्मियों और मेडिकल टीम का भी आभार जताया। उन्होंने कहा कि टीम ने रक्तदाताओं की स्वास्थ्य जांच से लेकर रक्त संग्रहण तक की प्रक्रिया व्यवस्थित ढंग से पूरी की। शिविर में डॉ. अजय उनियाल, अरुण शर्मा, दलजीत सिंह, विजय रावत, आशीष रौतेला, सनी रावत, दर्पण चौहान, कुंज अग्रवाल, मुकुल नेगी, नयन मोंगिया, ऋतिक नेगी, विजयानंद पोखरियाल सहित अन्य पदाधिकारी और कार्यकर्ता मौजूद रहे।

केटीआर के डीएफओ ने तैड़िया गांव के ग्रामीणों के साथ की बैठक

जयन्त प्रतिनिधि। कोटद्वार : रिखणीखाल ब्लॉक के कोर जोन में बसे तैड़िया गांव के विस्थापन की करीब तीन दशक पुरानी प्रक्रिया के बीच ग्रामीणों ने अब विस्थापन से इतर मूलभूत सुविधाएं उपलब्ध कराने की मांग की। कालागढ़ टाइगर रिजर्व (केटीआर) वन प्रभाग के डीएफओ तरुण एस ने गांव पहुंचकर ग्रामीणों के साथ बैठक की। ग्रामीणों ने डीएफओ को गांव की विभिन्न समस्याओं के बारे में बताया और उनके निराकरण की मांग उठाई। ग्राम पंचायत कांडा की प्रधान बिनीता ध्यानी की अध्यक्षता में हुई बैठक में डीएफओ तरुण एस ने ग्रामीणों को कोर जोन और बफर जोन की स्थिति समझाई। उन्होंने कहा कि शासन से मिले आदेश के क्रम में वह गांव की परिस्थितियों का जायजा लेने पहुंचे हैं। उन्होंने बताया कि तैड़ियाखाल से तैड़िया गांव के जेठनूं तक की दूरी करीब 1.3 किलोमीटर है। गांव तक पहुंचने वाला पैदल मार्ग भी क्षतिग्रस्त है। ग्राम प्रधान बिनीता ध्यानी ने कहा कि विस्थापन की प्रक्रिया चलने के साथ ही ग्रामीणों की सुरक्षा और सुविधाओं पर भी ध्यान दिया जाना जरूरी है। उन्होंने वन्यजीवों से सुरक्षा के लिए गांव के आसपास तीन किलोमीटर क्षेत्र में सोलर फेंसिंग, सोलर स्ट्रीट लाइट लगाने, तैड़ियाखाल से गांव तक कम से कम छह फीट चौड़े मार्ग के नवीनीकरण और विद्युतीकरण की मांग रखी। बैठक में वन क्षेत्राधिकारी कृति नेगी, गोविंद राम, मोहनलाल, ओमप्रकाश, प्रेम बल्लभ, काशंबरी देवी, दिक्का, सुनीता देवी, चंदा देवी, सरिता देवी आदि मौजूद रहे। बैठक का संचालन ग्रामीण डॉ. अंबिका प्रसाद ध्यानी ने किया।

सात क्षेत्रों में दो घंटे का रहेगा शटडाउन

श्रीनगर गढ़वाल : शहर के विभिन्न क्षेत्रों में शुक्रवार को दो घंटे बिजली आपूर्ति बाधित रहेगी। ऊर्जा निगम की ओर से लाइन की लॉपिंग और आवश्यक रख-रखाव कार्य के लिए सुबह 9 से 11 बजे तक शटडाउन लिया जाएगा। ऊर्जा निगम के एसडीओ ब्रह्मपाल सिंह ने बताया कि शटडाउन के दौरान गोला मार्केट, बदरीनाथ मार्ग, एजेंसी मोहल्ला, जैन मार्केट, अपर बाजार, गणेश बाजार और वीर चंद्र सिंह गढ़वाली मार्ग क्षेत्र में बिजली आपूर्ति प्रभावित रहेगी।

बिजली लाइनों के आसपास पेड़ों की बढ़ी टहनियों की लॉपिंग की जाएगी। इस संबंध में व्यापार मंडल पदाधिकारियों को भी सूचना दी गई है। (एजेंसी)

निष्काम भक्ति से ही जीवन का कल्याण : आचार्य भट्ट

जयन्त प्रतिनिधि। कोटद्वार : गढ़वाल के प्रवेश द्वार कोटद्वार के काशीरामपुर, नजीबाबाद रोड पर आयोजित श्रीमद्भागवत कथा के तीसरे दिन श्रद्धा और भक्ति का माहौल देखने को मिला। कथा व्यास वेदाचार्य आचार्य देवी प्रसाद भट्ट ने श्रद्धालुओं को निष्काम भक्ति का संदेश देते हुए कहा कि भगवान की भक्ति जब किसी स्वार्थ या सांसारिक लालसा से मुक्त होकर की जाती है, तभी उसका वास्तविक फल प्राप्त होता है।

कोटद्वार के काशीरामपुर में आयोजित भागवत कथा के तीसे दिन गुरुवार को कथा सुनाते वेदाचार्य देवी प्रसाद भट्ट।

निष्काम भक्ति मनुष्य के जीवन को आध्यात्मिक शांति प्रदान करने के साथ ही उसके जीवन का कल्याण करने का मार्ग प्रशस्त करती है। कथा के दौरान आचार्य भट्ट ने भगवान श्रीहरि के भक्त ध्रुव के चरित्र का भावपूर्ण वर्णन किया। उन्होंने बताया कि बालक ध्रुव ने दृढ़ संकल्प और अटूट भक्ति के बल पर भगवान विष्णु को प्रसन्न किया और ध्रुव पद प्राप्त किया। ध्रुव की कथा से श्रद्धालुओं को लक्ष्य के प्रति दृढ़ रहने और विपरीत परिस्थितियों में भी ईश्वर के प्रति विश्वास बनाए रखने की प्रेरणा मिली। इसके साथ ही कथा व्यास ने समुद्र मंथन की रोचक एवं आध्यात्मिक कथा का वर्णन करते हुए देवताओं और असुरों द्वारा किए गए मंथन तथा उससे निकले विभिन्न रत्नों और भगवान विष्णु की भूमिका का विस्तार से वर्णन किया। उन्होंने श्रीमद्भागवत में वर्णित भगवान के 24 अवतारों की कथा भी सुनाई और उनके माध्यम से धर्म, सत्य तथा लोककल्याण के संदेश को सामने रखा। संगीतमय भागवत कथा के दौरान भजनों और धार्मिक प्रसंगों पर श्रद्धालु भाव-विभोर नजर आए। कथा पंडाल में पूरे समय भक्तिमय वातावरण बना रहा। श्रद्धालुओं ने कथा का श्रवण कर आध्यात्मिक लाभ प्राप्त किया। इस अवसर पर कथा आयोजक वीके जुयाल, सुधीर दुदपुड़ी, महेश जुयाल, मनीष जोशी, योगेश रतूड़ी, अंकित धस्माना, गिरीश कंडवाल, मुकेश पंत सहित बड़ी संख्या में श्रद्धालु मौजूद रहे।

विश्वकर्मा दिवस पर हवन पूजन यज्ञ का आयोजन किया

जयन्त प्रतिनिधि। कोटद्वार :आईटीडीए कैल्क बुराँस कोचिंग क्लासेस अमेरिकन इंस्टिट्यूट ऑफ़ लैंग्वेज द्वारा सयुंक्त रूप से विश्वकर्मा दिवस पर हवन पूजन यज्ञ का आयोजन किया तथा यांत्रिक यंत्रो का पूजन किया गया। इस अवसर पर आईटीडीए कैल्क संस्थान के निदेशक नन्द किशोर जखमोला ने भगवान विश्वकर्मा को सृष्टि का प्रथम शिल्पकार और ब्रह्मा का सातवां पुत्र बताया । अमेरिकन इंस्टिट्यूट ऑफ़ लैंग्वेज की निदेशिका श्रीमती अनीता ज़ख्मोला तथा बुरांश कोचिंग क्लासेस के निदेशक अरविन्द दुदपुड़ी ने सभी कर्मचारियों तथा छात्र छात्राओं को विश्वकर्मा दिवस के अवसर पर शुभकामनाएं प्रेषित की ।

कार्यक्रम मे डॉ नन्दकिशोर जखमोला श्रीमती अनीता जखमोला अरविन्द दुदपुड़ी, रजनी रावत, स्वाती कंडवाल, भारत रावत, मोहित ठाकुर ,नितेश रावत, सौरभ घनसेला, अंशिका डंगवाल, कशिस रोशनी देवी सहित समस्त कर्मचारी गण और छात्र छात्राये मौजूद रहे।

उत्तर रेलवे

ई–निविदा सूचना

भारत के राष्ट्रपति की ओर से प्रवर मण्डल अभियन्ता/III/मुरादाबाद द्वारा ई–टेन्डर निम्न टेन्डर संख्या के अन्तर्गत आमंत्रित किये जाते हैं। निविदा की कीमत तथा धरोहर राशि का भुगतान निविदादाता द्वारा केवल IREPS पोर्टल पर उपलब्ध नेट बैंकिंग, डेबिट कार्ड, क्रेडिट कार्ड आदि के माध्यम से ऑनलाइन भुगतान करना होगा। डिमाण्ड ड्राफ्ट, बैंकर चेक, डिपाजिट रसीद आदि स्वीकार्य नहीं होंगे। टेन्डर से संबंधित अन्य जानकारी वेबसाइट www.ireps.gov.in पर देखें।

टेन्डर संख्या दिनांक	182-DRM-MB-26-27 Date 17.09.2026	186-DRM-MB-26-27 Date 17.09.2026	187-DRM-MB-26-27 Date 17.09.2026	197-DRM-MB-26-27 Date 17.09.2026	198-DRM-MB-26-27 Date 17.09.2026
कार्य का नाम	Replacement of 9.15m Steel Girders to PSC slab (14 girders) at Br. No. 928UP (2 x 9.14m) 941 UP & DN (4x9.15m), 1012 UP & DN (3x9.15), 956UP (2 x 9.15m) & 968 UP (2x 9.15m) and 12.2 M Steel Girder (18Nos) to PSC Slab at Bridge No 1062UP & DN (3x12.2M), 1072 UP & DN (2x12.2), 1076 UP & DN (4x12.2 m) in the Section of Sr.DEN-III/MB	Cess repair work from Km 1238 to 1245, Km 1247 to 1255, Km 1256 to 1265, Km 1267 to 1272, Km 1274 to 1279 in the section of SSE/W/ SPN under ADEN/ SPN	Repair of cess and Widening/ standardisation of cess in at vulnerable locations and approaches in the section of ADEN/BE.	Augmentation of Stores of SSE/ P.Way/ BE & RMU and SSE/ Works/ Rampur & BE Under ADEN/BE	Augmentation of Stores of SSE/ P.Way/ SPN & RAC and SSE/Works/ SPN & RAC Under ADEN/ SPN
टेंडर क्लोसिंग दिनांक/ समय	12.10.2026 at 16:00 Hrs.	12.10.2026 at 16:00 Hrs.	12.10.2026 at 16:00 Hrs.	12.10.2026 at 16:00 Hrs.	12.10.2026 at 16:00 Hrs.
अनुमानित लागत (रु.)	3,23,66,173.22	1,19,98,695.00	1,19,98,770.24	1,12,99,125.29	1,17,78,627.97
धरोहर राशि (रु.)	6,47,300.00	2,40,000.00	2,40,000.00	2,26,000.00	2,35,600.00
बिडिंग स्टार्ट तिथि	28.09.2026	28.09.2026	28.09.2026	28.09.2026	28.09.2026
आफर की वैधता	60 Days	60 Days	60 Days	60 Days	60 Days
कार्य पूर्ण करने की अवधि	10 Months	08 Months	08 Months	08 Months	08 Months

नं.: 75-W/2/3/WA/Publication दिनांक: 17.09.2026 3226/2026

ग्राहकों की सेवा में मुस्कान के साथ

मुखबा गांव में धूमधाम से मनाया गया सेलकू मेला

उत्तरकाशी। मां गंगा के मायके मुखबा गांव में समेश्वर देवता का पारंपरिक सेलकू मेला धूमधाम और उल्लास के साथ मनाया गया। दो दिनों तक चले मेले में ग्रामीणों के साथ दूर–दराज के गांवों से पहुंचे लोगों ने देव डोलियों के साथ रासो–तांदी नृत्य कर लोक संस्कृति की अनूठी छटा बिखेरी। मेले के समापन पर ग्रामीणों ने बुग्यालों से लाए गए फूलों को प्रसाद के रूप में ग्रहण कर सुख–समृद्धि और क्षेत्र की खुशहाली की कामना की। मेले का शुभारंभ पहले दिन रात को पारंपरिक रूप से भैलू जलाकर किया गया। मेले के दूसरे दिन ग्रामीण ऊंचे बुग्यालों और जंगलों से ब्रह्मकमल, हिसर, गूगल, मासी, जटा और जयाण समेत विभिन्न प्रकार के फूल लेकर पहुंचे। इन फूलों से समेश्वर देवता मंदिर की थात को आकर्षक ढंग से सजाया गया। इसके बाद देवता की विशेष पूजा–अर्चना की गई। मंदिर के चौक में देवता का आसन लगने के बाद पश्वा ने धारदार डांगरियों (फरसों) पर चलकर श्रद्धालुओं को आशीर्वाद दिया। तीर्थ पुरोहित सुधांशु सेमवाल और डॉ. ब्रदी प्रसाद सेमवाल ने बताया कि सेलकू मेले का ग्रामीणों के लिए धार्मिक और कृषि की दृष्टि से भी विशेष महत्व है। मेले के संपन्न होने के बाद ही खेतों में फसल कटाई का काम शुरू किया जाता है।

एक महीने से बंद पड़ा है कलाप मोटर मार्ग

उत्तरकाशी। बारिश थमने के बाद भी जिले की तीन ग्रामीण सड़कें आवाजाही के लिए नहीं खुल पाई है। रानाचट्टी–निसणी और सौड़–ओसला मोटर मार्ग 11 सितंबर से बंद हैं जबकि 15 किमी लंबा कोटगांव–कलाप मोटर मार्ग 18 अगस्त से बंद पड़ा है। सड़क को बंद हुए एक माह पूरा हो गया लेकिन अब तक क्षतिग्रस्त हिस्से को खोलने का काम शुरू नहीं हो सका है।

कोटगांव–कलाप मोटर मार्ग के किमी आठ में बादल फटने से करीब 100 मीटर सड़क पूरी तरह वॉशआउट हो गई थी। मार्ग बंद होने से कलाप क्षेत्र के ग्रामीणों की आवाजाही प्रभावित है। हालांकि मार्ग से जुड़े पैदल रास्तों को विभाग ने मरम्मत कर आवाजाही के लिए दुरुस्त कर दिया है लेकिन मोटर मार्ग की बहाली अभी भी प्रक्रिया में ही है।

गणपति महोत्सव में सम्मिलित हुए विधायक, श्रद्धालुओं के साथ की पूजा-अर्चना

जयन्त प्रतिनिधि। लैंसडौन : पर्यटन नगरी लैंसडौन के गांधी चौक में आयोजित सिद्धि विनायक गणपति महोत्सव में क्षेत्रीय विधायक महंत दिलीप रावत सम्मिलित हुए। उन्होंने भगवान श्री गणेश की पूजा-अर्चना कर क्षेत्र की सुख-समृद्धि एवं शांति की कामना की।

इस अवसर पर विधायक ने महोत्सव में उपस्थित श्रद्धालुओं से मुलाकात की और आयोजन के लिए समिति के सदस्यों को शुभकामनाएं दीं। गणपति महोत्सव को लेकर क्षेत्रवासियों में उत्साह का माहौल रहा। धार्मिक वातावरण के बीच श्रद्धालुओं ने भगवान गणेश की आरती में भाग लिया। अभ्युदय परिवार की संस्थापिका भावना वर्मा ने बताया कि महोत्सव के अंतर्गत विभिन्न धार्मिक एवं सांस्कृतिक कार्यक्रम आयोजित किए जा रहे हैं। उन्होंने कहा कि आयोजन का उद्देश्य धार्मिक आस्था के साथ क्षेत्र की सांस्कृतिक परंपराओं को बढ़ावा देना है। महोत्सव में अभ्युदय परिवार लैंसडौन का विशेष सहयोग रहा। आगामी कार्यक्रमों में भजन-कीर्तन, सांस्कृतिक प्रस्तुतियां एवं अन्य धार्मिक आयोजन होंगे।

एक नजर

मुआवजे की अटकी फाइलों पर अब तहसील स्तर पर होगी सुनवाई

नई टिहरी। सड़क निर्माण से प्रभावित टिहरी जिले के प्रभावित सैकड़ों काश्तकारों के लिए राहतभरी खबर है। मुआवाजा भुगतान के लिए काश्तकारों को लोनिवि और पीएमजीएसवाई कार्यालय के अनावश्यक चक्कर काटने से मुक्ति मिलने की उम्मीद जगी है। मुआवजा भुगतान के लिए जिला प्रशासन ने अब प्रत्येक तहसील स्तर पर विशेष शिविर आयोजित करने का रोस्टर जारी कर दिया है।

शिविर के माध्यम से तहसील स्तर पर ही काश्तकारों का मुआवजा भुगतान समस्या का सामधान किया जाएगा। प्रत्येक सोमवार को कलेक्ट्रेट में आयोजित होने वाले जनता दर्शन कार्यक्रम में सर्वाधिक शिकायतें सड़क निर्माण के बाद मुआवजा भुगतान नहीं होने की दर्ज होती है। मुआवजा भुगतान संबंधी कई समस्याओं का लंबे समय तक भी निस्तारण न होने से जिला प्रशासन की परेशानी बढ़ती जा रही थी। काश्तकारों की समस्या का संज्ञान लेते हुए डीएम नितिका खंडेलवाल ने जनता दर्शन में प्राप्त शिकायतों के मामले में संबंधित विभागों को विशेष शिविर आयोजित कर लंबित प्रकरणों का प्राथमिकता से निस्तारण करने के निर्देश दिए हैं।

डाक विभाग ने निष्क्रिय खातों को सक्रिय करने के लिए चलाया अभियान

नई टिहरी। डाक विभाग की पहल पर टिहरी और उत्तरकाशी जिले के डाक घरों में लंबे समय से निष्क्रिय पड़े करीब 14 हजार से अधिक खातों को डाक विभाग ने सक्रिय करने के लिए अभियान शुरू किया है। दो माह के अंतर्गत डाक विभाग के कर्मियों ने 2700 से अधिक बचत खातों को फिर से सक्रिय करने में कामयाबाी मिली है।डाक विभाग की ओर दोनों जिलों में निष्क्रिय हो चुके डाकघर बचत खातों को सक्रिय करने के लिए डाक कर्मी अभियान में जुटे हैं। खातों को फिर से सक्रिय करने के लिए खाता धारकों की केवाईसी करने, खातों से आधार कार्ड के साथ फोन नंबर भी जोड़ने का काम किया जा रहा है। साथ ही डाकघर की विभिन्न बचत योजनाओं के बारे में खाता धारकों को जानकारी दी जा रही है।

बीरेंद्र पाल भंडारी बने कृषि उत्पादन मंडी समिति के अध्यक्ष

पोखरी। भाजपा के वरिष्ठ नेता व पूर्व मंडल अध्यक्ष बीरेंद्र पाल भंडारी को चमोली जिले की कृषि उत्पादन मंडी समिति का अध्यक्ष नामित किया गया है। इस पर भाजपा कार्यकर्ताओं ने खुशी जताई और उनका स्वागत किया। भाजपा कार्यकर्ताओं ने कहा कि इससे संगठन को और मजबूती मिलेगी। बीरेंद्र भंडारी ने कहा कि सरकार ने उन्हें जो जिम्मेदारी सौंपी है उसका वह पूरी निष्ठा व ईमानदारी से निर्वहन करेंगे। इस दौरान भाजपा मंडल अध्यक्ष अमर सिंह, वन्यजीव सलाहकार समिति के सदस्य डॉ. मातबर रावत, नगर पंचायत सभासद सुनीता चमोला आदि मौजूद रहे।

क्यारा, निर और रौलाकोट में उप स्वास्थ्य केंद्रों के भवन बनेंगे

नई टिहरी। चंबा के क्यारा, निर और प्रतापनगर के रौलाकोट में एक–एक उप स्वास्थ्य केंद्रों के निर्माण की उम्मीद जगी है। कार्यदायी संस्थाओं ने स्वास्थ्य उप केंद्रों के निर्माण के लिए निविदाएं आमंत्रित कर दी है। करीब 2.38 करोड़ की लागत से बनने वाले तीनों उप स्वास्थ्य केंद्रों के भवन बनने के बाद ग्रामीणों को घर के नजदीक ही बेहतर स्वास्थ्य सुविधा उपलब्ध होगी। उप केंद्रों का स्थायी भवन न होने मरीजों के लिए बैठने, स्वास्थ्य संबंधी जांचों के साथ स्वास्थ्य कर्मियों को कार्य करने में परेशानियों का सामना करना पड़ता है। स्वास्थ्य विभाग ने चंबा ब्लॉक के क्यारा और निर उप केंद्र के लिए लघु सिंचाई विभाग नई टिहरी तथा रौलाकोट उपकेंद्र के निर्माण की जिम्मेदारी सिंचाई विभाग नई टिहरी को सौंपी है। प्रत्येक उप स्वास्थ्य केंद्र निर्माण के लिए शासन से 79.44 लाख की धनराशि जारी की गई है। स्वास्थ्य विभाग के अधिकारियों की माने उप केंद्र में सामान्य बीमारियों की जांच, उपचार, स्वास्थ्य परामर्श, गर्भवती महिलाओं और शिशुओं की देखभाल, टीकाकरण, परिवार नियोजन के साथ गैर–संचारी रोगों के बारे में लोगों में जागरूकता बढ़ने में उप केंद्रों की महत्वपूर्ण भूमिका होगी।

21 से 30 सितंबर तक बंद रहेगा सुरकंडा देवी रोपवे का संचालन

टिहरी। सुरकंडा देवी रोपवे का संचालन आगामी 21 सितंबर से 10 दिनों तक पूरी तरह से बंद रहेगा। इस दौरान सुरकंडा देवी मंदिर में पूजा–अर्चना और दर्शनों के जाने वाले श्रद्धालुओं को कद्दखाल से मंदिर तक पैदल दूरी तय करनी होगी। सुरकंडा देवी रोपवे के समन्वयक नरेश बिजल्वाण ने यह जानकारी दी। उन्होंने बताया कि 21 सितंबर से 30 सितंबर तक दौरान रोपवे का मरम्मत कार्य किया जाना है। 1 अक्तूबर से रोपवे का संचालन पूर्व निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार किया जाएगा। 21 से 30 सितंबर के बीच सुरकंडा देवी मंदिर में दर्शन और पूजा अर्चना करने के लिए जाने वाले श्रद्धालुओं को कद्दूखाल से सुरकंडा देवी तक लगभग डेढ़ किलोमीटर की पैदल दूरी तय करके पहुंचना होगा।

सीएम धामी 18 सितंबर को सीधे रूबरू होगें 140 चयनित विद्यार्थियों से

जयन्त प्रतिनिधि। देहरादून : मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी की युवा शक्ति को प्रदेश के विकास की दिशा तय करने में सहभागी बनाने की पहल के तहत 'मुख्यमंत्री युवा विद्यार्थी मंथन' अभियान का समापन चरण बेहद खास होने जा रहा है। 'कैसा हो मेरे सपनों का उत्तराखण्ड' विषय पर प्रदेशभर के विद्यार्थियों से विचार और सुझाव आमंत्रित करने के बाद अब मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी आगामी 18 सितंबर को चयनित 140 छात्र-छात्राओं के साथ सीधे संवाद करेंगे।

मुख्यमंत्री श्री धामी ने इस संवाद को और अधिक व्यापक एवं सार्थक बनाने के लिए शासन के वरिष्ठ आईएएस अधिकारियों एवं विभिन्न विभागों के विभागाध्यक्षों को भी जेन-जी के इन युवाओं के साथ संवाद करने के निर्देश दिए हैं। मुख्यमंत्री के साथ संवाद से पहले वरिष्ठ अधिकारी विद्यार्थियों के साथ बैठकर उनके विचार, सुझाव और प्रदेश के भविष्य को लेकर उनके विजन को समझेंगे। शिक्षा, स्वास्थ्य, वन एवं पर्यावरण, स्वरोजगार, पलायन, लोक निर्माण, आईटी, पर्यटन, महिला एवं बाल विकास सहित विभिन्न क्षेत्रों से जुड़े विभागों के प्रमुख युवाओं के सुझाव सुनेंगे और उनके महत्वपूर्ण विचारों से मुख्यमंत्री को अवगत कराएंगे। मुख्यमंत्री के निर्देश पर शुरू किए गए इस अभियान में प्रदेश के करीब 3 लाख कक्षा 11वीं और 12वीं के विद्यार्थियों को जोड़ा गया। इनमें से 2,67,744 विद्यार्थियों ने ऑनलाइन पोर्टल के माध्यम से 'कैसा हो मेरे सपनों का उत्तराखण्ड?' विषय पर अपने विचार और सुझाव सरकार तक पहुंचाए। विद्यार्थियों की इस व्यापक भागीदारी ने अभियान को एक बड़े युवा संवाद का स्वरूप दिया है। प्राप्त विचारों में से 140 श्रेष्ठ एवं सार्थक विचारों वाले छात्र–छात्राओं का चयन विशेषज्ञ टीम द्वारा किया गया है। मुख्यमंत्री युवा विद्यार्थी मंथन' को प्रदेश के युवाओं के साथ सरकार के सीधे संवाद की एक व्यापक पहल के रूप में देखा जा रहा है। इस अभियान में लाखों विद्यार्थियों की भागीदारी के माध्यम से सरकार ने शिक्षा, रोजगार, स्वरोजगार, पलायन, पर्यटन, पर्यावरण, तकनीक, महिला सशक्तिकरण सहित उत्तराखण्ड के विकास से जुड़े विभिन्न विषयों पर युवा पीढ़ी की सोच और अपेक्षाओं को समझने का प्रयास किया है। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी का मानना है कि युवा शक्ति के विचारों को केवल सुना ही नहीं जाना चाहिए, बल्कि उन्हें विकास की नीति और योजनाओं से जोड़ने का भी प्रयास होना चाहिए। इसी उद्देश्य से 18 सितंबर को मुख्यमंत्री और 140 चयनित विद्यार्थियों के बीच होने वाला संवाद अभियान के अंतिम चरण में एक महत्वपूर्ण पड़ाव होगा।

140 विद्यार्थियों को मिलेगी 2 लाख तक की करियर स्कॉलरशिप

मुख्यमंत्री युवा विद्यार्थी मंथन अभियान की शुरुआत 10 अगस्त को मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने विद्यार्थियों के साथ संवाद के साथ की थी। इस अवसर पर उन्होंने प्रदेश के युवाओं से 'कैसा हो मेरे सपनों का उत्तराखण्ड' विषय पर अपने विचार साझा करने और राज्य के विकास के लिए रचनात्मक सुझाव देने का आह्वान किया था। मुख्यमंत्री ने यह भी घोषणा की थी कि श्रेष्ठ विचार देने वाले विद्यार्थियों को 12वीं कक्षा के बाद उनके करियर की तैयारी एवं कोचिंग के लिए 2 लाख रुपये तक की स्कॉलरशिप प्रदान की जाएगी। अभियान के तहत चयनित 140 छात्र-छात्राओं को इस योजना का लाभ मिलेगा।

उमा देवी मंदिर में चढ़ाई नई फसल

पोखरी। विकासखंड पोखरी के तीस जूला क्षेत्र की अराध्य देवी उमा देवी मंदिर को ग्रामीणों ने खेत में तैयार पहली फसल की पैदावार अर्पित की। साथ ही सुख–समृद्धि व खुशहाली की कामना करते हुए अच्छी पैदावार की कामना की। मान्यता है कि तीस जूला क्षेत्र के ग्रामीण नई फसल की पहली पैदावार डुंगर स्थित उमा देवी मंदिर में चढ़ाते हैं। बृहस्पतिवार को ग्रामीण ढोल नगाड़ों के साथ मंदिर में पहुंचे और देवी को धान, झंगोरा, कौणी, बुखणा, ककड़ी सहित सब्जियां व फल अर्पित की। पुजारी रमेश थपलिया ने मंदिर में पूजा–अर्चना कराई। इस दौरान मंदिर समिति के अध्यक्ष मातबर सिंह नेगी, गजेंद्र नेगी, डुंगर की प्रधान दीक्षा बर्त्वाल, भूपेंद्र परमार, गजे सिंह, उदय सिंह, किमोठा के प्रधान हरिकृष्ण किमोठी आदि मौजूद रहे।

बीमार युवक को 12 किमी पैदल चलकर डंडी—कंडी से पहुंचाया सड़क तक

उत्तरकाशी। मोरी विकासखंड के लिवाड़ी गांव में सड़क सुविधा की बदहाली एक बार फिर सामने आई। गांव के 21 वर्षीय नवीन की तबीयत बिगड़ने पर ग्रामीण उसे डंडी–कंडी के सहारे करीब 12 किलोमीटर पैदल चलकर जखोल तक सड़क मार्ग पर लाए। जिस पैदल रास्ते से युवक को लाया गया, वह भी जगह–जगह क्षतिग्रस्त है और झाड़ियों व घास से पटा है।

ग्रामीणों के मुताबिक लिवाड़ी के लिए सड़क वर्ष 2013 में स्वीकृत हुई थी। करीब 13 साल बाद भी सड़क का निर्माण पूरा नहीं हो सका है। ग्रामीणों का कहना है कि करीब तीन से चार किलोमीटर हिस्सा अब भी बाकी है। वहीं रालासों से लिवाड़ी की ओर बनने वाला पुल करीब छह साल से लंबित है।

पुल के अभाव में ग्रामीण लकड़ी के फट्टों के सहारे गदेरा पार कर रहे हैं।

बरसात में तेज बहाव के बीच यहां से आवाजाही करना जोखिम भरा हो जाता है। ग्रामीण दिनेश सिंह, मुलायम रावत, जगमोहन रावत और गुरुदेव रावत ने बताया कि जिलाधिकारी और प्रभारी मंत्री सौरभ बहुगुणा कुछ समय पहले क्षेत्र का निरीक्षण कर चुके हैं। इसके बावजूद स्थिति नहीं बदली। ग्रामीणों ने सड़क और पुल की मांग को लेकर धरना–प्रदर्शन भी किए।

बारिश की मेहर से झंगोरा लहलहाया, अब दाम की बारी

उत्तरकाशी। डुंडा और नौगांव क्षेत्र में झंगोरा की फसल अब तैयार होने लगी है। इस बार बारिश को फसल के लिए अनुकूल माना जा रहा है जिससे किसानों को अच्छी पैदावार की उम्मीद है। कृषि विभाग के अधिकारियों ने बताया कि श्री अन्न की खेती को बढ़ावा देने के साथ किसानों को उत्पादन से लेकर विपणन तक प्रोत्साहन दिया जा रहा है।

मुख्य कृषि अधिकारी के अनुसार, वर्ष 2025–26 में डुंडा में 700 और नौगांव में 1100 हेक्टेयर का लक्ष्य रखा गया था, जिसे विभाग ने हासिल किया। चालू वित्तीय वर्ष में भी दोनों विकासखंडों में कुल 1800 हेक्टेयर का लक्ष्य रखा गया है और बुआई पूरी हो चुकी है। अधिकारियों के मुताबिक श्री अन्न उत्पादक किसानों के लिए एमएसपी पिछले वर्ष के 4,886 रुपये प्रति क्विंटल से बढ़ाकर इस वर्ष 5,205 रुपये किया गया है। लाइन से बुआई पर 3,000 रुपये और छिटकवा विधि से बुआई पर 1,500 रुपये प्रति हेक्टेयर प्रोत्साहन का प्रावधान है।

भालू के हमले में युवक गंभीर रूप से घायल

नंदानगर। विकासखंड नंदानगर के बूरा गांव में बृहस्पतिवार सुबह भालू ने हमला कर एक युवक को गंभीर रूप से घायल कर दिया। युवक को प्राथमिक उपचार के बाद श्रीनगर बेस अस्पताल के लिए रेफर कर दिया गया।

बूरा गांव निवासी दिलवर सिंह (36) पुत्र राजेंद्र सिंह घर से करीब 15 मीटर दूरी पर स्थित गोशाला में पशुओं को घास देने के लिए जा रहा था। गोशाला के पास भालू ने युवक पर हमला कर दिया। युवक के चिल्लाने पर उसके पिता वहां गए और शोर मचाया तो भालू भाग गया। मगर तब तक भालू ने उसे बुरी तरह जख्मी कर दिया। युवक के पिता उसे लहूलुहान हालत में घर लाए और ग्रामीणों को इसकी सूचना दी। गांव के सरपंच दिनेश प्रसाद तिवारी ने बताया कि युवक को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र नंदानगर लेकर गए। प्राथमिक उपचार के बाद चिकित्सकों ने उन्हें श्रीनगर के लिए रेफर कर दिया।

भालू ने युवक का चेहरा बुरी तरह से जख्मी कर दिया है। चेहरे और सिर पर भालू के नाखूनों के गहरे घाव हुए हैं। वन विभाग को इसकी सूचना दी गई। वन विभाग ने तात्कालिक तौर पर युवक के उपचार के लिए 20 हजार रुपये दिए हैं।

यमुनोत्री धाम: राम मंदिर के पास खतरा बरकरार

उत्तरकाशी। यमुनोत्री धाम यात्रा मार्ग को सुरक्षित और सुगम बनाने के लिए अंतिम दौर में सुधार कार्य चल रहे हैं लेकिन राम मंदिर के पास क्षतिग्रस्त पैदल मार्ग अब भी चिंता का कारण बना है। बीते 29 जुलाई को क्षतिग्रस्त हुए हिस्से पर सुधार कार्य की गति धीमी होने से श्रद्धालुओं और घोड़े–खच्चरों की आवाजाही जोखिम के बीच जारी है। पैदल मार्ग का एक हिस्सा भीतर से खोखला होने के कारण किसी भी समय बड़ी दुर्घटना का खतरा बना हुआ है।

जिलाधिकारी प्रशांत आर्य और चारधाम यात्रा प्रबंधन एवं नियंत्रण संगठन के विशेष कार्याधिकारी डॉ. प्रजापति नौटियाल के यमुनोत्री धाम भ्रमण के बाद पैदल मार्ग को सुरक्षित बनाने के लिए राम मंदिर समेत अन्य संवेदनशील स्थानों पर सुधार कार्य तेज करने के प्रयास किए जा रहे हैं। इसके बावजूद राम मंदिर के पास क्षतिग्रस्त हिस्से का काम अभी अधूरा है। ऐसे में सवाल उठ रहा है कि जब

मार्ग पर लगातार यात्रियों और पशुओं की आवाजाही हो रही है, तो संवेदनशील हिस्से को पूरी तरह सुरक्षित किए बिना आवाजाही कैसे जारी है।

यूकेएसएसएससी, वन विकास निगम में स्केलर के 200 पदों पर भर्ती का मौका

उत्तरकाशी। उत्तराखंड अधीनस्थ सेवा चयन आयोग ने वन विकास निगम में स्केलर के 200 पदों पर भर्ती का विज्ञापन जारी कर दिया है। इसके लिए 22 सितंबर से ऑनलाइन आवेदन प्रक्रिया शुरू होगी। 19 नवंबर से शारीरिक दक्षता परीक्षा प्रस्तावित की गई है। आयोग की वेबसाइट पर जाकर ऑनलाइन आवेदन कर सकते हैं। भर्ती के लिए कुल 200 पदों में से सामान्य (अनारक्षित) श्रेणी के लिए 105 पद, अनुसूचित जाति के लिए 39, अन्य पिछड़ा वर्ग के लिए 27, आर्थिक रूप से कमजोर वर्ग के लिए 21 और अनुसूचित जनजाति के लिए आठ पद आरक्षित किए गए हैं। इसके अलावा नियमानुसार महिला, भूतपूर्व सैनिक, अनाथ, उत्कृष्ट खिलाड़ी और आंदोलनकारियों को क्षैतिज आरक्षण का लाभ मिलेगा। आवेदन करने के लिए अभ्यर्थी का विज्ञान या गणित विषय के साथ 12वीं पास होना अनिवार्य है। अभ्यर्थी की आयु एक जुलाई 2026 को न्यूनतम 18 वर्ष और अधिकतम 28 वर्ष के बीच होनी चाहिए। राज्य के आरक्षित वर्गों को नियमानुसार अधिकतम आयु सीमा में छूट दी जाएगी।

फ्यूंला नारायण धाम पहुंचेगी छह गांवों की छतोलियां

ज्योतिर्मठ। उर्गम क्षेत्र में नंदा–सुनंदा की छतोलियों के साथ होने वाली लोकजात यात्रा बृहस्पतिवार को शुरू हो गई। विभिन्न गांवों की छतोलियां बृहस्पतिवार को फ्यूंलानारायण मंदिर पहुंचीं। स्थानीय लक्ष्मण सिंह नेगी ने बताया कि गांवों में छतोलियां तैयार करने के बाद विधिवत पूजा–अर्चना की गई। गांव के लोगों ने भगवती को मेवा, प्रसाद, चूड़ी, नथुली, बिंदुली, कखड़ी, मुंगरी सहित विभिन्न सामग्री की। ग्राम देवता से यात्रा की कुशलता का आशीर्वाद लेने के बाद यात्रा शुरू की गई। भरकी गांव में पंचनाम देवताओं के चौक पर ग्रामीणों ने एकत्रित होकर मां भगवती का आह्वान किया। जागर गायन के दौरान देवता ने अवतरित होकर श्रद्धालुओं को आशीर्वाद दिया। बताया कि फ्यूंलानारायण के बाद यात्रा अगले दिन भनाई बुग्याल पहुंचेगी और लौटकर फ्यूंलानारायण में रात्रि विश्राम करेगी। इसमें भरकी, भेंटा, पिलखी, अरोसी, सलना और उर्गम गांवों के साथ डुमक और पल्ला जखोला गांव की छतोलियां शामिल हैं।

मेहनत का कोई विकल्प नहीं, सफलता का कोई शॉर्टकट नहीं : मुख्य सचिव

देवप्रयाग विधानसभा क्षेत्र के टॉपर विद्यार्थियों ने मुख्य सचिव से की मुलाकात

जयन्त प्रतिनिधि। देहरादून : मुख्य सचिव आनन्द बर्द्धन ने गुरुवार को सचिवालय में विधायक विनोद कंडारी के नेतृत्व में भारत भ्रमण पर निकले देवप्रयाग विधानसभा क्षेत्र के मेधावी एवं टॉपर विद्यार्थियों से मुलाकात की। इस दौरान मुख्य सचिव ने विद्यार्थियों के साथ विभिन्न विषयों पर संवाद किया एवं अपने अनुभव साझा किए। मुख्य सचिव ने विद्यार्थियों को प्रेरित करते हुए कहा कि जीवन में सफलता प्राप्त करने का कोई शॉर्टकट नहीं है। किसी भी क्षेत्र में कुछ हासिल करने के लिए मेहनत का कोई विकल्प नहीं है। कड़ी मेहनत के बाद ही व्यक्ति अपने लक्ष्य को प्राप्त कर सकता है। उन्होंने कहा कि आज तकनीक तेजी से बदल रही है। ऐसे में स्वयं को अपडेट और तकनीकी रूप से सक्षम बनाना भी आवश्यक है।

मुख्य सचिव ने विद्यार्थियों से संवाद करते हुए विधायक विनोद कंडारी को अपने क्षेत्र के मेधावी विद्यार्थियों के लिए इस प्रकार की पहल शुरू करने पर बधाई दी। उन्होंने कहा कि प्रत्येक अभिभावक की इच्छा होती है कि उनके बच्चे जीवन में अच्छा करें और आगे बढ़ें। विद्यार्थियों ने पढ़ाई के क्षेत्र में अच्छा प्रदर्शन किया है, जो उनकी मेहनत का परिणाम है। उन्होंने कहा कि आज प्रतिस्पर्धा केवल अपने गांव, क्षेत्र या विधानसभा क्षेत्र तक सीमित नहीं है, बल्कि देशभर के विद्यार्थियों के साथ है। इसलिए विद्यार्थियों को अपनी क्षमताओं को पहचानते हुए निरंतर सीखने और स्वयं को बेहतर बनाने पर ध्यान देना चाहिए। मुख्य सचिव ने मोबाइल फोन के उपयोग को लेकर भी विद्यार्थियों को जागरूक किया। उन्होंने कहा कि मोबाइल और तकनीक के जितने फायदे हैं, उतने ही नुकसान भी हो सकते हैं। इसका उपयोग किस प्रकार करना है, यह व्यक्ति स्वयं तय करता है। विद्यार्थियों को तकनीक का सदुपयोग करते हुए इसके दुष्प्रभावों से बचना चाहिए। उन्होंने विद्यार्थियों से कहा कि जीवन में यदि उनसे कोई गलती हो जाए अथवा उन्हें किसी प्रकार की परेशानी का सामना करना पड़े तो उसे अपने माता-पिता और गुरुजनों से जरूर साझा करना चाहिए। उन्होंने कहा कि वर्तमान समय में बच्चों में तनाव और अवसाद जैसी समस्याएं बढ़ रही हैं। कई बार बच्चे सही और गलत के बीच अंतर को पूरी तरह समझ नहीं पाते और किसी गलत निर्णय की ओर बढ़ जाते हैं। ऐसे में अपने माता-पिता, शिक्षकों और भरोसेमंद लोगों से बातचीत करना बेहद जरूरी है। उन्होंने विद्यार्थियों से कहा कि अपने माता-पिता से कोई महत्वपूर्ण बात न छिपाएं। इस अवसर पर विधायक विनोद कंडारी, सचिव डॉ. बी.वी.आर.सी. पुरुषोत्तम, सुश्री ज्योति यादव, उपाध्यक्ष ग्रामीण अभियंत्रण सेवा सलाहकार समिति जोत सिंह बिष्ट, अपर सचिव नमामि बंसल सहित शिक्षा विभाग से उच्चाधिकारी एवं देवप्रयाग विधानसभा क्षेत्र के मेधावी छात्र-छात्राएं उपस्थित थे।

लक्ष्य पर पूरा फोकस रखें, स्वयं पर भरोसा रखें

मुख्य सचिव आनन्द बर्द्धन ने विद्यार्थियों से कहा कि वे हमेशा अपने आप पर भरोसा रखें। जीवन में कोई भी लक्ष्य निर्धारित करें तो उस पर पूरा ध्यान और फोकस रखें। उन्होंने कहा कि व्यक्ति अपनी मेहनत और लगन से अपने भाग्य को बदल सकता है। उन्होंने कहा कि भारत भ्रमण के दौरान विद्यार्थियों को नई जगहों पर जाने, नई संस्कृति को समझने और नए लोगों से मिलने का अवसर मिलेगा। इस उम्र में इस प्रकार का अनुभव बहुत कम बच्चों को मिल पाता है। उन्होंने विद्यार्थियों से इस यात्रा के दौरान नई चीजें सीखने और अपने अनुभवों को संजोकर रखने का आह्वान किया।

एसडीआरएफ मुख्यालय सहित सभी पोस्टों पर विश्वकर्मा दिवस मनाया

जौलीग्रांट। एसडीआरएफ वाहिनी मुख्यालय जौलीग्रांट और सभी पोस्टों पर विश्वकर्मा दिवस मनाते हुए विशेष पूजा–अर्चना की गई। पूजन कार्यक्रम के दौरान भगवान विश्वकर्मा का विधिवत पूजन किया गया। टीम की ओर से आपदा राहत और बचाव कार्यों में उपयोग होने वाले जीवन रक्षक उपकरणों जैसे कटर, रोप, लाइफ जैकेट, स्ट्रेचर, मोटर बोट सहित अन्य रेस्क्यू उपकरणों की साफ–सफाई कर विधिवत पूजन किया गया। कमांडेंट अर्पण यदुवंश ने कहा कि भगवान विश्वकर्मा को निर्माण, तकनीकी कौशल और उपकरणों के अधिष्ठाता देव के रूप में पूजा जाता है। इसी भावना के अनुरूप वाहिनी की विभिन्न पोस्टों पर तैनात कार्मिकों ने रेस्क्यू उपकरणों और मशीनरी के सुरक्षित संचालन की कामना की ताकि आपदा के समय इनका पूर्ण दक्षता के साथ उपयोग करते हुए राहत व बचाव कार्य निर्बाध रूप से संचालित किए जा सकें।

आत्महत्या के लिए उकसाने के आरोप में प्राथमिकी दर्ज

डोईवाला। संदिग्ध परिस्थितियों में महिला की मौत मामले में कोतवाली पुलिस ने पड़ोस के एक युवक के खिलाफ आत्महत्या के लिए उकसाने के आरोप में प्राथमिकी दर्ज की है। पुलिस का कहना है कि मामले में जांच की जा रही है जांच के बाद अग्रिम कार्रवाई की जाएगी।

डोईवाला। संदिग्ध परिस्थितियों में महिला की मौत मामले में कोतवाली पुलिस ने पड़ोस के एक युवक के खिलाफ आत्महत्या के लिए उकसाने के आरोप में प्राथमिकी दर्ज की है। पुलिस का कहना है कि मामले में जांच की जा रही है जांच के बाद अग्रिम कार्रवाई की जाएगी।

प्रभारी निरीक्षक राकेश गुसाईं ने बताया कि अनिल पांचाल निवासी चांदमारी ने इस संबंध में शिकायत दी है। बताया कि उनके पड़ोसी गुरजीत सिंह निवासी चांदमारी पिछले चार सालों से उसकी पत्नी को मानसिक तौर पर प्रताड़ित कर रहा था जिस वजह से उसकी पत्नी निशा ने जहरीला पदार्थ खाकर आत्महत्या कर ली। बताया कि गुरजीत सिंह के उत्पीड़न से उनका परिवार मानसिक परेशानी में है। उन्होंने तहरीर में पत्नी की मौत लिए गुरजीत सिंह को ही जिम्मेदार बताया है। महिला की मौत पर परिजन बुधवार की देर रात कोतवाली पहुंचे और मामले में उचित कार्रवाई करने की मांग पर हंगामा किया। प्रभारी निरीक्षक राकेश गुसाईं ने बताया कि तहरीर के आधार पर प्राथमिकी दर्ज कर ली गई है। आरोपी की तलाश की जा रही है। वहीं मामले का संज्ञान महिला आयोग ने भी लिया है। बृहस्पतिवार को महिला आयोग की अध्यक्ष कुसुम कंडवाल मृतका निशा पांचाल के आवास पर पहुंची और परिजनों से मुलाकात कर घटना की जानकारी ली। उन्होंने परिजनों को मामले में निष्पक्ष जांच और दोषियों के खिलाफ उचित कार्रवाई का भरोसा दिया। अध्यक्ष कुसुम कंडवाल ने बताया कि मामले को गंभीरता से लिया जा रहा है। जिस व्यक्ति के खिलाफ परिजनों की ओर से आरोप लगाए जा रहे हैं, उसके खिलाफ उन्होंने पुलिस को आवश्यक कार्रवाई के लिए निर्देशित किया है।

युवा कांग्रेस ने कसी कमर, बूथ स्तर पर संगठन मजबूती पर जोर

ऋषिकेश। आगामी 2027 के विधानसभा चुनाव को देखते हुए ऋषिकेश विधानसभा क्षेत्र में युवा कांग्रेस की एक महत्वपूर्ण रणनीति बैठक आयोजित की गई। इस बैठक में संगठन को बूथ स्तर तक मजबूत करने और कार्यकर्ताओं की सक्रिय भागीदारी सुनिश्चित करने पर गहन विचार–विमर्श किया गया। कार्यक्रम की अगुवाई विधानसभा अध्यक्ष रवि थापा और प्रदेश महासचिव दीपक वर्मा ने संयुक्त रूप से की। बैठक में विधानसभा अध्यक्ष रवि थापा ने कहा कि युवा कांग्रेस का उद्देश्य केवल चुनाव के दौरान सक्रिय होना नहीं है बल्कि पूरे वर्ष आम जनता के बीच रहकर उनकी समस्याओं को उठाना और उनका समाधान कराना है। उन्होंने कहा कि ऋषिकेश विधानसभा के प्रत्येक बूथ पर संगठन को मजबूत करने के लिए निरंतर कार्य किया जाएगा।

सड़क को तरसा भटोली गांव, ग्रामीण बेहाल

अल्मोड़ा। जनपद अल्मोड़ा, सल्ट विधानसभा क्षेत्र के अंतर्गत ग्राम सभा कड़म के भटोली गांव में सड़क सुविधा की समस्या को लेकर एक स्थानीय युवक ने सोशल मीडिया पर वीडियो साझा कर जनप्रतिनिधियों और संबंधित विभाग का ध्यान आकर्षित किया है। वीडियो में युवक ने गांव तक पहुंचने वाले पैदल मार्ग की स्थिति दिखाते हुए ग्रामीणों की परेशानियों को सामने रखा है। स्थानीय युवक का कहना है कि भटोली गांव तक सड़क सुविधा नहीं होने के कारण ग्रामीणों को रोजमर्रा की जरूरतों का सामान अपने घर तक पहुंचाने में भारी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। युवक के अनुसार, गांव के बुजुर्गों और युवाओं को 25 से 30 किलो तक के राशन के कट्टे लेकर करीब डेढ़ किलोमीटर पैदल चलना पड़ता है। वीडियो में युवक ने पीछे दिखाई दे रहे रास्ते की स्थिति की ओर इशारा करते हुए इसे कठिन और जोखिमभरा बताया। उसने जनप्रतिनिधियों से अपील की कि वे स्वयं गांव पहुंचकर इस रास्ते की वास्तविक स्थिति देखें और यह महसूस करें कि भारी सामान लेकर ग्रामीणों को किस तरह पैदल आवाजाही करनी पड़ रही है।

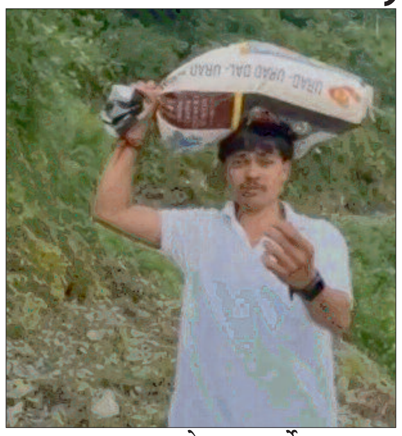

20 जून को सड़क सर्वे का आश्वासन मिलने का दावा

सोशल मीडिया वीडियो में स्थानीय युवक ने दावा किया कि 20 जून 2026 को गांव के कुछ लोग भिक्या सिंह के साथ विधायक कार्यालय पहुंचे थे। युवक के मुताबिक, उस दौरान उन्हें आश्वासन दिया गया था कि एक सप्ताह के भीतर भटोली गांव की सड़क का सर्वे कराया जाएगा।

युवक का आरोप है कि निर्धारित समय बीतने के बाद भी सड़क का सर्वे नहीं कराया गया। उसके अनुसार, इसके बाद करीब ढाई महीने से अधिक समय बीत चुका है, लेकिन अभी तक गांव की सड़क को लेकर कोई ठोस प्रगति दिखाई नहीं दी है।

सड़कों का जाल बिछाने के बयान का किया उल्लेख

वीडियो में युवक ने 5 सितंबर को सल्ट खुमाण में दिए गए विधायक के कथित बयान का भी उल्लेख किया। युवक के अनुसार, कार्यक्रम के दौरान सल्ट क्षेत्र में सड़कों का जाल बिछाने की बात कही गई थी।इसी संदर्भ में युवक ने सवाल उठाते हुए कहा कि यदि क्षेत्र में वास्तव में सड़क संपर्क का विस्तार हुआ है, तो भटोली गांव जैसे गांवों तक सड़क सुविधा कब पहुंचेगी। उसने कहा कि ग्रामीणों की प्राथमिक जरूरतों में सड़क, पानी, शिक्षा और स्वास्थ्य जैसी बुनियादी सुविधाएं शामिल हैं।

चुनाव के समय वादों का भी उठाया मुद्दा

स्थानीय युवक ने अपने वीडियो में चुनाव के दौरान ग्रामीण क्षेत्रों में सड़क और अन्य विकास कार्यों को लेकर किए जाने वाले वादों का मुद्दा भी उठाया।

एक नजर

शेरगढ़ में गुलदार की आमद बढ़ी, ग्रामीणों में दहशत

डोईवाला। माजरी ग्रांट के शेरगढ़ क्षेत्र में गुलदार की आमद लगातार बढ़ती जा रही है। रियाहशी इलाकों में गुलदार आए दिन घूमता देखा जा रहा है। गुलदार की गतिविधियां सीसीटीवी कैमरे में भी कैद हो रही हैं। गुलदार ने बृहस्पतिवार को सुखविंदर सिंह के घर के समीप कुत्ते को निवाला बनाया। बीती रात गुलदार ने मवेशियों पर भी हमला किया। भारतीय किसान यूनियन टिकैत के युवा जिलाध्यक्ष अजित सिंह प्रिंस ने बताया कि क्षेत्र में लंबे समय से गुलदार की आवाजाही देखने को मिल रही है। इससे लोगों को जान–माल के नुकसान का भय सताने लगा है। लोगों को पशुधन की सुरक्षा का भी खतरा बना हुआ है।,उपप्रधान गुरजीत कौर ने कहा कि सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम नहीं होने के कारण लोगों में भय व्याप्त है। ग्राम प्रधान निशां देवी ने बताया कि वन सीमाओं पर सोलर फेसिंग लगाने की मांग की गई है। वन विभाग की ओर से प्रभावी कार्रवाई नहीं की जा रही है। विभिन्न स्थानों पर लगे सीसीटीवी कैमरों में गुलदार की आवाजाही कैद हो रही है। वन क्षेत्राधिकारी लच्छीवाला जीएस धमांदा ने बताया कि संबधित क्षेत्रों में गश्त की जा रही है। विभागीय टीम अलर्ट मोड पर है।

पीएम मोदी के जन्मदिन पर जलाए 111 दिए

जौलीग्रांट। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के 76वें जन्मदिन पर थानो वन रेंज कार्यालय पर एक कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में प्रधानमंत्री के दीर्घायु जीवन की कामना की गई। थानो वन रेंज कार्यालय में थानो, बड़कोट और लच्छीवाला वन रेंज के वनकर्मियों ने सामूहिक रूप से पीएम मोदी का जन्मदिन मनाया गया। वन विभाग के एसडीओ उदय गौड ने कहा कि प्रधानमंत्री के जन्मदिन पर दीपोत्सव कार्यक्रम का आयोजन किया गया है। इस दौरान सभी अधिकारियों और कर्मियों ने मिलकर कुल 111 दिए जलाए हैं। वहीं सभी वनकर्मियों ने स्वच्छता अभियान चलाते हुए स्वच्छता का संकल्प भी लिया है। कहा कि सभी वनकर्मियों ने कार्यक्रम में पूरे उत्साह के साथ भाग लिया। इस अवसर पर थानो रेंजर एनएल डोभाल, बड़कोट रेंजर गणेश उनियाल, गमाल सिंह रावत आदि उपस्थित रहे।

देहरादून फर्जी प्रमाणपत्र मामला: जन सेवा केंद्रों पर प्रशासन की कार्रवाई

देहरादून। एमबीबीएस के दाखिलों में फर्जी प्रमाणपत्र लगाए जाने का मामला सामने आने के बाद प्रशासन ने जन सेवा केंद्रों पर कार्रवाई शुरू कर दी है। प्रशासन की टीम ने बृहस्पतिवार को कई जन सेवा केंद्रों का निरीक्षण किया जिसमें से चार को तत्काल प्रभाव से सील कर दिया गया। जबकि, तीन के यहां से कंप्यूटर और अन्य उपकरण कब्जे में लिए हैं।इसके अलावा तीन केंद्रों के संचालकों की आईडी निरस्त करने की संस्तुति की गई है। इन जन सेवा केंद्रों पर कहीं रजिस्ट्रर अपडेट नहीं था तो किसी ने रजिस्टर रखा ही नहीं था। यही नहीं कहीं खुद संचालक के स्थान पर दूसरा व्यक्ति काम करते मिला। इसके अलावा कई सेंटरों पर फर्जीवाड़े की आशंका भी प्रशासन की टीम ने जताई है। इनके खिलाफ पुलिस कार्रवाई के लिए भी लिखा जाएगा। प्रशासन की टीम ने तहसीलदार सुरेंद्र सिंह और ई–डिस्ट्रिक्ट मैनेजर हरेंद्र सिंह की अगुवाई में कार्रवाई

करने पहुंची थी। सबसे पहले टीम कलेक्ट्रेट के पास शादमान के केंद्र पर पहुंची। यहां पर रजिस्टर को अपडेट नहीं किया गया था। कई ओरिजनल दस्तावेज भी यहां से बरामद किए गए हैं। इनसे फर्जीवाड़े की आशंका जताई जा रही है। इस सेंटर पर तत्काल प्रभाव से सील लगा दी गई और इसका सीपीयू भी प्रशासन की टीम ने कब्जे में लिया है। यहां जब टीम पहुंची तो शादमान के स्थान पर कोई और महिला काम करते मिली। इसी तरह कलेक्ट्रेट के पास ही हनी रमन, करन वर्मा और प्राची कौशिक के जन सेवा केंद्रों को भी सील कर दिया गया। इन केंद्रों पर भी कई तरह की अनियमितताएं मिलीं। दो सेंटरों में रजिस्टर ही नहीं पाए गए। इसके अलावा तहसील के पास पूनम खन्ना और कलेक्ट्रेट के पास करन वर्मा के सीपीयू को कब्जे में लिया गया है।

गणेश गोदियाल को मिला हरीश रावत के इस्तीफे की पेशकश का पत्र

देहरादून। कांग्रेस वरिष्ठ नेता एवं पूर्व मुख्यमंत्री हरीश रावत के इस्तीफे की पेशकश का पत्र प्रदेश अध्यक्ष गणेश गोदियाल को प्राप्त हो गया है। रावत ने प्रदेश कांग्रेस कार्यकारिणी सदस्य पद छोड़ने की बात कही है। उन्होंने कहा, अपने कर्मों की लड़ाई खुद लड़ेंगे। आगामी चुनाव को लेकर कांग्रेस पार्टी की मुहिम पर मेरी वजह से कोई आंच न आए, इसलिए पार्टी को भार मुक्त करने के लिए इस्तीफे की पेशकश की है। बीते दिनों पीएस चंदन जीना के घर पर ईडी की कार्रवाई से आहत पूर्व सीएम हरीश रावत ने पार्टी के सभी पदों से इस्तीफा देने की पेशकश की थी। अब उनका पत्र प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष गणेश गोदियाल को प्राप्त हो चुका है। जल्द ही राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे से मुलाकात कर राष्ट्रीय कांग्रेस कार्य समिति के सदस्य से इस्तीफे की पेशकश करेंगे। रावत के इस कदम से कांग्रेस में सियासी हलचल तेज हो गई है।

बारिश से सब्जियों की आवक प्रभावित

ऋषिकेश। पर्वतीय और मैदानी क्षेत्रों में लगातार हो रही बारिश का असर अब सब्जी के बाजार पर भी देखने को मिल रहा है। खराब मौसम और खेतों में जलभराव के कारण स्थानीय किसानों की फसल प्रभावित हो रही है जबकि बाहरी राज्यों से आने वाली सब्जियां भी मंडियों तक देरी से पहुंच रही हैं। आवक कम होने और रास्ते में सब्जियों के खराब होने से बाजार में कई सब्जियों के दाम बढ़ गए हैं। सब्जी विक्रेता महेश कुमार ने बताया कि लगातार बारिश के कारण किसानों को खेतों से सब्जियां निकालने में परेशानी हो रही है। जलभराव के चलते कई खेतों में फसल खराब हो रही है। वहीं, जो सब्जियां खेतों से निकाली जा रही हैं, उनमें से भी कुछ मंडी तक पहुंचने के दौरान खराब हो जाती हैं। इसका असर सब्जियों की कीमत पर पड़ रहा है और

किसानों को मंडी में भी अपेक्षाकृत महंगे दाम मिल रहे हैं। उन्होंने बताया कि महंगी सब्जियों के चलते छोटी मंडियों और फुटकर बाजारों में ग्राहकों की खरीदारी भी कम हो गई है। पहले जहां ग्राहक एक किलो सब्जी खरीदते थे वहीं अब बढ़े दाम के कारण जरूरत के मुताबिक ही खरीदारी कर रहे हैं। सुबह से दोपहर तक बाजार में ग्राहकों की संख्या भी सामान्य दिनों की अपेक्षा कम दिखाई दे रही है।

डॉ. ज्योत्सना सेठ को मिलेगा वैश्विक शिक्षक रत्न अवार्ड

ऋषिकेश। सीमा डेंटल कॉलेज एवं हॉस्पिटल के प्रोस्थोडॉन्टिक्स विभाग की प्रोफेसर डॉ. ज्योत्सना सेठ को शैक्षणिक क्षेत्र में उल्लेखनीय योगदान के लिए वैश्विक शिक्षक रत्न अवार्ड से सम्मानित किया जाएगा। नई दिल्ली में 20 सितंबर को आयोजित होने वाले शिक्षक दिवस एवं सर्वपल्ली डॉ. राधाकृष्णन जयंती समापन महोत्सव में उन्हें सम्मानित किया जाएगा। अंतरराष्ट्रीय समरसता मंच की ओर से आयोजित समारोह का उद्देश्य शिक्षा, सामाजिक समरसता, विश्व बंधुत्व, मानवीय मूल्यों और वैश्विक शांति की भावना को बढ़ावा देना है। मंच के संयोजक डॉ. कुलदीप प्रसाद शर्मा ने बताया कि डॉ. ज्योत्सना सेठ के शैक्षणिक कार्यों, विद्यार्थियों के प्रति समर्पण, शिक्षा के क्षेत्र में योगदान और उपलब्धियों का अवलोकन करने के बाद चयन समिति के अध्यक्ष डॉ. हुकुम चंद गणेशिया, चांसलर ने उनका चयन इस सम्मान के लिए किया है।

देहरादून में मां से मारपीट का गंभीर आरोप, अस्पताल में भर्ती

देहरादून। देहरादून में एक महिला के साथ मारपीट का गंभीर मामला सामने आया है। परिजनों ने महिला के बेटे पर उनके साथ मारपीट कर गंभीर रूप से घायल करने का आरोप लगाया है। घटना के बाद महिला को उपचार के लिए अस्पताल में भर्ती कराया गया।

परिजनों के अनुसार, मारपीट की घटना में महिला को चोटें आई हैं। इसके बाद उन्हें उपचार के लिए अस्पताल ले जाया गया। मामले को लेकर पीड़ित पक्ष की ओर से पुलिस को तहरीर दी गई है।

तहरीर में परिजनों ने आरोपी बेटे के खिलाफ कार्रवाई की मांग करते हुए मारपीट से जुड़े गंभीर आरोप लगाए हैं। परिजनों का कहना है कि मामले में पुलिस निष्पक्ष जांच कर आरोपी के खिलाफ नियमानुसार सख्त कानूनी कार्रवाई करे।

क्या है पूरा मामला?

महिला के साथ कथित मारपीट की घटना किन परिस्थितियों में हुई और पुलिस को दी गई तहरीर में परिजनों ने क्या–क्या आरोप लगाए हैं, इसकी पूरी जानकारी ळ१४ी टीर्ं ल्ङ्ग४री की ग्राउंड रिपोर्ट में सामने आई है।

अंकिता हत्याकांड के कथित वीआईपी का नाम उजागर करे सरकार

विकासनगर। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी के विकासनगर दौरे के दौरान कांग्रेस ने अंकिता भंडारी हत्याकांड में कथित वीआईपी की पहचान, यमुना में खनन और विकासनगर की 535 करोड़ रुपये की परियोजना को लेकर सरकार से जवाब मांगा। कांग्रेस नेताओं ने कहा कि मुख्यमंत्री जब यमुना घाट का अनावरण करें तो उससे पहले जनता को यह स्पष्ट किया जाए कि अंकिता भंडारी हत्याकांड में जिस कथित शकढ की चर्चा होती रही है, उसकी पहचान और मामले में अब तक हुई कार्रवाई की स्थिति क्या है। शहर कांग्रेस अध्यक्ष विकास शर्मा ने कहा कि अंकिता भंडारी हत्याकांड में कथित शकढ का मुद्दा लंबे समय से जनता के बीच सवाल बना हुआ है। उन्होंने कहा कि सरकार द्वारा मामले की सीबीआई जांच की संस्तुति किए जाने के बाद अब जांच की प्रगति और सामने आए तथ्यों को भी जनता के सामने स्पष्ट किया

जाना चाहिए। जनवरी 2026 में राज्य सरकार ने मामले की सीबीआई जांच की संस्तुति की थी और बाद में एंगल की जांच भी चर्चा में रहा है।

यमुना में खनन को लेकर भी उठाए सवाल

विकास शर्मा ने यमुना नदी के संरक्षण का मुद्दा उठाते हुए कहा कि मुख्यमंत्री यमुना घाट के उद्घाटन के दौरान नदी की स्वच्छता और संरक्षण की बात करें, लेकिन इसके साथ पछवादून क्षेत्र में यमुना और उसकी सहायक नदियों में खनन को लेकर उठ रहे सवालों का भी जवाब दें।

उन्होंने आरोप लगाया कि क्षेत्र में नदी और नदियों के आसपास हुए कथित दोहन की जिम्मेदारी तय होनी चाहिए। कांग्रेस ने सरकार से यह स्पष्ट करने की मांग की कि खनन से जुड़े मामलों में अब तक क्या कार्रवाई की गई है।

535 करोड़ की परियोजना पर भी सरकार से जवाब मांगा

कांग्रेस नेता ने विकासनगर की 535 करोड़ रुपये की परियोजना को लेकर भी सरकार पर सवाल उठाए। उन्होंने कहा कि परियोजना में करीब 100 करोड़ रुपये के कथित घोटाले के आरोप एक भाजपा नेता द्वारा लगाए जाने की बात सामने आई है। कांग्रेस ने सवाल उठाया कि यदि इतने गंभीर आरोप लगाए गए हैं तो उनकी जांच की स्थिति क्या है।

उन्होंने कहा कि परियोजना को लेकर क्षेत्र में लगातार चर्चा है और सरकार को इस संबंध में तथ्य जनता के सामने रखने चाहिए।

मुख्यमंत्री के दौरे का कांग्रेस ने किया विरोध

मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी के विकासनगर दौरे के दौरान शहर एवं ब्लॉक कांग्रेस कमेटी के कार्यकर्ताओं ने स्थानीय मुद्दों को लेकर विरोध प्रदर्शन किया। इस दौरान बाढ़वाला क्षेत्र में पुलिस ने कई कांग्रेस नेताओं और कार्यकर्ताओं को हिरासत में लेकर गिरफ्तार किया।

पुलिस कार्रवाई में शहर कांग्रेस अध्यक्ष विकास शर्मा, ब्लॉक कांग्रेस अध्यक्ष अभिनव ठाकुर, किसान कांग्रेस जिलाध्यक्ष बलजीत सिंह, हरबर्टपुर से आशीष पुंडीर, डॉ. सुभाष चंदेल, नईम अहमद, केके गौतम, दर्शन चौहान, केवल राम आजाद, हर्ष गुरुंग, गगनदीप, मोहित और कार्तिक थापा सहित अन्य कार्यकर्ताओं को गिरफ्तार किए जाने की बात कांग्रेस की ओर से कही गई।

कांग्रेस नेताओं ने कहा कि लोकतांत्रिक तरीके से जनहित के सवाल उठाना उनका अधिकार है। उन्होंने आरोप लगाया कि सरकार विरोध की आवाज को पुलिस कार्रवाई के माध्यम से दबाने का प्रयास कर रही है।

कांग्रेस ने कहा कि अंकिता भंडारी हत्याकांड, बेरोजगारी, कानून–व्यवस्था, यमुना में खनन और विकासनगर की परियोजनाओं से जुड़े मुद्दों पर सरकार से जवाब मांगना जारी रहेगा।

जयन्त

संस्थापक : नरेन्द्र उनियाल

स्वामी, प्रकाशक, मुद्रक एवं सम्पादक नागेन्द्र उनियाल द्वारा प्रतिभा प्रेस बदरीनाथ मार्ग, कोटद्वार गढ़वाल (उत्तराखण्ड) से मुद्रित तथा बदरीनाथ मार्ग, कोटद्वार गढ़वाल (उत्तराखण्ड) से प्रकाशित।

सभी विवादों का न्याय क्षेत्र कोटद्वार, (गढ़वाल) उत्तराखण्ड होगा।

CONT. 9412081969

PRGI NO. 35469/79

संपादकीय

स्कूल के शूल

पिछले दिनों आंध्र प्रदेश के विशाखापत्तनम का वह वीडियो पूरे देश में वायरल हुआ, जिसमें एक प्राइवेट स्कूल की शिक्षिका बच्चे को डांटती और थप्पड़ मारती नजर आ रही थी। उसके बाद बच्चे को कटे पेड़ की तरह गिरते देखा गया। बताते हैं कि होमवर्क पूरा न करने पर टीचर ने एलकेजी के छह वर्षीय छात्र प्रणय तेजा को पहले बुरी तरह डांटा और फिर उसे जोर से थप्पड़ मारा, जो उसे एक शॉक की तरह लगा। सीसीटीवी कैमरे की पुलिस द्वारा हासिल रिकॉर्डिंग में बच्चे की पिटाई और जमीन पर गिरने का दृश्य स्पष्ट दिखाई दे रहा था। बच्चे को अस्पताल ले जाया गया। जहां बताया गया है कि उसकी मृत्यु हो चुकी है। इस घटना के बाद व्यापक विरोध प्रदर्शन भी हुए। अभिभावकों का आरोप है कि बच्चा घर से स्वस्थ स्थिति में स्कूल के लिए निकला था। उसे कोई रोग भी नहीं था। बाकायदा उसने स्कूल जाने की खुद जिद की। उसके पिता के अनुसार उनका परिवार एक तीर्थयात्रा पर गया था, जिसकी वजह से वह होमवर्क नहीं कर सका। इसके बाद टीचर के खिलाफ कार्रवाई और निजी स्कूलों में छात्रों की सुरक्षा बढ़ाने और संवेदनशील व्यवहार की मांग तेज हुई। वहीं दूसरी ओर स्कूल प्रशासन ने दलील दी कि खेल के मैदान में गिरने की वजह से बच्चे की जान गई। बताया जाता है कि स्कूल में कोई खेल का मैदान था ही नहीं। पूरी दुनिया में ऐसे तमाम अध्ययन व शोध निष्कर्ष सामने आ चुके हैं कि स्कूली बच्चों का किसी भी तरह शारीरिक व मानसिक उत्पीड़न नहीं किया जाना चाहिए। यह न केवल शिक्षकों का शैक्षिक दायित्व है बल्कि वे इसके लिये कानूनी रूप से भी बाध्य हैं। लेकिन विडंबना यह है कि शिक्षकों ने जाने क्यों मान लिया है कि किसी छात्र की गलती को दंडित या प्रताड़ित कर-के ही सुधारा जा सकता है। कहीं न कहीं यह शिक्षकों में धैर्य व तार्किक सोच की कमी को भी दशार्ता है। राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली में भी पिछले दिनों ऐसी ही घटना सामने आई। वहां विनोद नगर में एक सरकारी स्कूल की ग्यारह साल की छात्रा की सजा दिए जाने के बाद मौत हो गई। उसका कसूर सिर्फ इतना था कि वह क्लास में किताब लाना भूल गई। शिक्षिका ने उसे क्लास के पीछे हाथ ऊपर करके खड़े होने की सजा दी। कक्षा में इस तरह काफी देर तक खड़े रहने और अपमान से आहत होने के बाद उसकी तबीयत खराब हो गई। उसे इलाज के लिये अस्पताल ले जाया गया लेकिन बाद में उसकी मौत हो गई। इसी तरह की अन्य घटना में फरीदाबाद के एक स्कूल में मामूली बात पर छात्रा को चार घंटे खड़े होने की सजा दी गई। घटना से आहत व अपमानित महसूस करके छात्रा ने स्कूल की छत से कूदकर जान दे दी।

चिंतन-मनन

आत्मा का दिव्य भाव

जो व्यक्ति दिव्य पद पर स्थित है, वह न किसी से ईर्ष्या करता है और न किसी वस्तु के लिए लालायित रहता है। जब कोई जीव इस संसार में भौतिक शरीर से युक्त होकर रहता है, तो समझना चाहिए कि वह प्रकृति के तीन गुणों में से छूट जाता है। लेकिन जब तक वह शरीर से बाहर नहीं आ जाता, तब तक उसे उदासीन रहना चाहिए। उसे भगवान की भक्ति में लग जाना चाहिए जिससे भौतिक देह से उसका ममत्व स्वतः विस्मृत हो जाए। जब मनुष्य भौतिक शरीर के प्रति सचेत रहता है तो वह केवल इन्द्रियतृप्ति के लिए कर्म करता है, लेकिन जब चेतना कृष्ण में स्थानान्तरित कर देता है, तो इन्द्रियतृप्ति स्वतः रुक जाती है। मनुष्य को इस भौतिक शरीर की आवश्यकता नहीं रह जाती है और न उसे भौतिक शरीर के आदेशों के पालन की आवश्यकता रह जाती है। शरीर के भौतिक गुण कार्य करेंगे, लेकिन आत्मा ऐसे कार्य से पृथक रहेगी। वह न तो शरीर का भोग करना चाहती है, न उससे बाहर जाना चाहती है। इस प्रकार दिव्य पद पर स्थित भक्त स्वयमेव मुक्त हो जाता है। उसे प्रकृति के गुणों के प्रभाव से मुक्त होने के लिए किसी प्रयास की कोई आवश्यकता नहीं रह जाती। भौतिक पद पर स्थित व्यक्ति शरीर को मिलने वाले तथाकथित मान-अपमान से प्रभावित होता है, लेकिन दिव्य पद पर आसीन व्यक्ति ऐसे मिथ्या मान-अपमान से प्रभावित नहीं होता। वह इसकी चिन्ता नहीं करता कि कोई व्यक्ति उसका सम्मान करता है या अपमान। वह उन बातों को स्वीकार कर लेता है, जो कृष्णभावनामृत में उसके कर्त्तव्य के अनुकूल हैं, अन्यथा उसे किसी भौतिक वस्तु की आवश्यकता नहीं रहती। वह प्रत्येक व्यक्ति को जो कृष्णभावनामृत के सम्पादन में उसकी सहायता करता है, मित्र मानता है और तथाकथित शत्रु से भी घृणा नहीं करता। वह समभाव वाला होता है और सारी वस्तुओं को समान धरातल पर देखता है, क्योंकि वह इसे भलीभांति जानता है कि उसे इस संसार से कुछ लेना-देना नहीं है।

सेमीकॉन इंडिया 26 सिलिकॉन से सिस्टम तक विकसित भारत 2047 की नई उड़ान

विनोद सिंह 'तकियावाला

युवा इंजीनियरिंग, कृत्रिम बुद्धिमत्ता, सेमीकंडक्टर और विनिर्माण के संगम से बदल रही भारत की अर्थव्यवस्था; प्रधानमंत्री मोदी ने कहा -नीति से आगे बढ़कर अब भारत में बन रहे हैं चिप और वैश्विक बाजार तक पहुँच रही है, भारतीय तकनीक...

वैश्विक मानचित्र पर किसी देश की आर्थिक शक्ति का आकलन केवल उसकी सड़कों,रेल लाइनों, बंदरगाहों,गगनचुंबी इमारतों या डिजिटल नेटवर्क से नहीं होता। बल्कि आज के बदलते परिवेश में उस देश की असली ताकत इस बात से भी तय होती है कि वह नवीन तकनीकों का निर्माण कितना कर सकता है,जो इन सभी व्यवस्थाओं को संचालित करती हैं।आज की डिजिटल अर्थव्यवस्था में सेमीकंडक्टर ऐसी ही बुनियादी तकनीक बन चुका है। मोबाइल फोन से लेकर रेलवे, ऑटोमोबाइल, कृत्रिम बुद्धिमत्ता, चिकित्सा उपकरण, रक्षा प्रणाली, अंतरिक्ष तकनीक और डेटा सेंटर तक शायद ही कोई आधुनिक क्षेत्र हो,जिसकी कार्यप्रणाली चिप के बिना पूरी हो सके। इसी बदलती वैश्विक तकनीकी व्यवस्था के बीच नई दिल्ली का यशोभूमि इन दिनों केवल एक प्रदर्शनी स्थल नहीं,बल्कि भारत की भावी आर्थिक और तकनीकी दिशा का साक्षी बना हुआ है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने 17 सितंबर को सेमीकॉन इंडिया 2026 के पाँचवें संस्करण का उद्घाटन किया। 17 से 19 सितंबर तक चलने वाले इस इ सेमीकॉन इंडिया 2026 का विषय है–'सिलिकॉन से सिस्टम तक : इकोसिस्टम का निर्माण'। 52 देशों की भागीदारी, 600 से अधिक प्रदर्शक,150 से अधिक वक्ता छह देश मंडप और 12 राज्य मंडप इस आयोजन को वैश्विक तकनीकी संवाद का महत्वपूर्ण मंच बना रहे हैं। सर्व विदित रहे कि सेमीकॉन इंडिया 2026 का महत्व केवल इसकी भव्यता और वैश्विक भागीदारी में नहीं है।इसका वास्तविक महत्व उस परिवर्तन में छिपा है,जिसे प्रधानमंत्री मोदी ने अपने उद्घाटन संबोधन में रेखांकित किया। उन्होंने कहा कि भारत की सेमीकंडक्टर यात्रा अब परियोजनाओं की घोषणा और निर्माण के चरण से आगे बढ़कर वाणिज्यिक उत्पादन तक पहुँच गई है।उनके अनुसार पहले सेमीकॉन आयोजन में नीतियों पर चर्चा हुई,फिर परियोजनाओं और शिलान्यास की बात आई,पिछले वर्ष पायलट लाइन और टेस्ट चिप की चर्चा हुई और अब भारतीय संयंत्रों से तैयार चिप ग्राहकों तक पहुँचने लगी है।यही बदलाव विकसित भारत 2047 की बड़ी तस्वीर को समझने की कुंजी भी है।भारत ने लंबे समय तक इलेक्ट्रॉनिक्स और सेमीकंडक्टर के क्षेत्र में मुख्यतः उपभोक्ता बाजार के रूप में अपनी पहचान बनाई। मोबाइल फोन से लेकर इलेक्ट्रॉनिक उपकरणों तक भारत में खपत तेजी से बढ़ी,लेकिन उसके पीछे लगने वाली चिप तकनीक का बड़ा हिस्सा बाहर से आता रहा।आज तस्वीर बदलने की कोशिश हो रही है।अब लक्ष्य केवल चिप का इस्तेमाल करना नहीं,बल्कि उसके डिजाइन से लेकर निर्माण,पैकेजिंग, परीक्षण, उपकरण,सामग्री और अंततः चिप से तैयार सिस्टम तक पूरी मूल्य श्रृंखला को भारत में मजबूत करना है।इसीलिए इस वर्ष का 'सिलिकॉन से सिस्टम तक' विषय अपने भीतर एक बड़ी आर्थिक कहानी समेटे हुए है। यशोभूमि में प्रदर्शित 'सैंड से सिलिकॉन से सिस्टम' मूल्य श्रृंखला यह दिखाती है कि भारत की महत्वाकांक्षा केवल किसी एक फैब या पैकेजिंग इकाई तक सीमित नहीं है।लक्ष्य एक ऐसा व्यापक पारिस्थितिकी तंत्र तैयार करना है,जिसमें डिजाइनर, इंजीनियर, निमार्ता,उपकरण कंपनियाँ,कच्चे माल के उत्पादक, शोध संस्थान, स्टार्टअप और अंतिम इलेक्ट्रॉनिक प्रणाली बनाने वाली कंपनियाँ एक-दूसरे से जुड़ें। यहीं से विकसित भारत 2047 का सपना सेमीकॉन इंडिया 2026 से जुड़ता है।

2047 में भारत अपनी स्वतंत्रता की शताब्दी मनाएगा। उस समय भारत की अर्थव्यवस्था कैसी होगी, उसकी वैश्विक तकनीकी भूमिका क्या होगी और उसके युवाओं के पास किस प्रकार के रोजगार होंगे,इन प्रश्नों के उत्तर आज की नीतियों और निवेश से तैयार होंगे।सेमीकंडक्टर क्षेत्र इस भविष्य की अर्थव्यवस्था के लिए इसलिए महत्वपूर्ण है क्योंकि यह केवल एक उद्योग नहीं,बल्कि अनेक उद्योगों की आधारभूत तकनीक है। प्रधानमंत्री मोदी ने अपने संबोधन में भारत की इस यात्रा को नई गति मिलने की बात कही और यह भी रेखांकित किया कि भारत ने कुछ ही वर्षों में वह प्रगति की है,जिसमें सामान्यतः अधिक लंबा समय लगता है। उन्होंने भारत की सेमीकंडक्टर यात्रा को दूसरे चरण में प्रवेश करने वाला बताया।साथ ही उन्होंने उद्योग जगत से अनुसंधान एवं विकास में अधिक सक्रिय भूमिका निभाने का आह्वान किया और भारत तथा विदेशों में शोध कर रहे युवा वैज्ञानिकों और प्रतिभाओं को देश की उन्नत तकनीकी यात्रा से जुड़ने का आग्रह किया।युवा इंजीनियर इस पूरी कहानी का सबसे महत्वपूर्ण अध्याय हैं।सेमीकंडक्टर उद्योग में केवल पूंजी लगाने से कारखाना खड़ा नहीं होता। इसके लिए डिजाइन इंजीनियर, माइक्रोइलेक्ट्रॉनिक्स विशेषज्ञ, सामग्री वैज्ञानिक, उपकरण इंजीनियर, सॉफ्टवेयर विशेषज्ञ, पैकेजिंग विशेषज्ञ,परीक्षण विशेषज्ञ और अनुसंधानकर्ता चाहिए। यही कारण है कि सेमीकॉन इंडिया 2026 में वर्कफोर्स डेवलपमेंट पवेलियन और छात्र हैकाथॉन जैसे कार्यक्रमों को भी स्थान दिया गया है।लगभग 40 स्टार्टअप वाला स्टार्टअप पवेलियन भी यह संदेश देता है कि भारत की सेमीकंडक्टर यात्रा केवल बड़ी कंपनियों की कहानी नहीं है।

प्रधानमंत्री ने अपने संबोधन में युवाओं को चिप डिजाइन का प्रशिक्षण दिए जाने और उन्हें स्वयं चिप डिजाइन करने के अवसर मिलने की चर्चा की।यह बदलाव बहुत महत्वपूर्ण है। इंजीनियरिंग की शिक्षा अब केवल डिग्री प्राप्त करने तक सीमित नहीं रह सकती।भारत को ऐसे इंजीनियर चाहिए जो समस्या को समझें,डिजाइन तैयार करें, प्रयोग करें,असफल हों और फिर नया समाधान विकसित करें। प्रयोगशाला से उद्योग और उद्योग से बाजार तक जाने वाली यही संस्कृति विकसित भारत की तकनीकी नींव बनेगी।सेमीकॉन 2.0 इसी दिशा में अगला कदम है।इस कार्यक्रम का जोर केवल बड़े सिलिकॉन फैब पर नहीं, बल्कि डिजाइन,विशेषीकृत फैब, उन्नत पैकेजिंग,उपकरण एवं घटक निर्माण,कच्चे माल, अनुसंधान एवं विकास तथा प्रतिभा निर्माण जैसे क्षेत्रों पर है। यानी सरकार अब पूरे पारिस्थितिकी तंत्र को विकसित करने की दिशा में बढ़ रही है। कार्यक्रम में चिप डिजाइन, उपकरण और सामग्री से लेकर अनुसंधान और कौशल तक अनेक स्तरों को समर्थन देने की व्यवस्था की गई है।इसका सीधा संबंध भारत की अर्थव्यवस्था से है।भारत को यदि 2047 तक विकसित अर्थव्यवस्था बनना है तो उसे उच्च मूल्य वाले विनिर्माण में अपनी हिस्सेदारी बढ़ानी होगी। सेवा क्षेत्र ने भारत को वैश्विक पहचान दी है,लेकिन आने वाले समय में विनिर्माण, इलेक्ट्रॉनिक्स,सेमीकंडक्टर, रक्षा उत्पादन, हरित ऊर्जा,अंतरिक्ष और कृत्रिम बुद्धिमत्ता जैसे क्षेत्र आर्थिक विकास के नए इंजन बन सकते हैं।सेमीकंडक्टर इन सभी क्षेत्रों के बीच एक साझा कड़ी है।

एक चिप केवल एक छोटा इलेक्ट्रॉनिक घटक नहीं है। इसके पीछे डिजाइन सॉफ्टवेयर से लेकर अत्यंत शुद्ध सामग्री, विशेष मशीनें,र सायन, गैसें, परीक्षण प्रयोगशालाएँ, पैकेजिंग तकनीक और प्रशिक्षित मानव संसाधन की पूरी श्रृंखला होती है।इसलिए भारत में सेमीकंडक्टर उद्योग का विस्तार होने का अर्थ हजारों प्रत्यक्ष नौकरियों के साथ उससे जुड़े अनेक सहायक उद्योगों, सेवाओं और आपूर्ति श्रृंखलाओं का विकास भी है।इसीलिए सेमीकॉन इंडिया 2026 को रोजगार और युवा उद्यमिता के दृष्टिकोण से भी देखना आवश्यक है।अतीत के आने वाले वर्षों में चिप डिजाइन, एम्बेडेड सिस्टम, कृत्रिम बुद्धिमत्ता, रोबोटिक्स, ऑटोमेशन, इलेक्ट्रिक वाहन, डेटा सेंटर और स्मार्ट विनिर्माण के क्षेत्र में नई विशेषज्ञता की मांग बढ़ेगी।भारत के इंजीनियरिंग संस्थानों के सामने यह अवसर है कि वे अपने पाठ्यक्रम और प्रयोगशालाओं को भविष्य की इन जरूरतों से जोड़ें।प्रधानमंत्री ने उद्योग से अनुसंधान एवं विकास की जिम्मेदारी अधिक सक्रियता से लेने का आह्वान भी इसी संदर्भ में किया।भारत के सामने सबसे बड़ी चुनौतियों में से एक यह है कि शोध को प्रयोगशाला से बाजार तक पहुँचाने की गति कैसे बढ़ाई जाए। यदि विश्वविद्यालय में तैयार तकनीक उद्योग तक नहीं पहुँचती और उद्योग की समस्या शोध संस्थानों तक नहीं पहुँचती,तो दोनों की क्षमता का पूरा उपयोग नहीं हो पाता।सेमीकंडक्टर जैसे अत्याधुनिक क्षेत्र में यह दूरी और भी कम करनी होगी।भारत के लिए वैश्विक आपूर्ति श्रृंखला में बदलता परिदृश्य भी एक अवसर लेकर आया है।दुनिया अब ऐसे नए और भरोसेमंद स्थान चाहती है जहाँ महत्वपूर्ण तकनीकों का उत्पादन विविधीकृत रूप में किया जा सके।प्रधानमंत्री ने भी कहा कि दुनिया को चिप निर्माण के लिए नए और भरोसेमंद स्थानों की आवश्यकता है और भारत स्वयं को एक पसंदीदा गंतव्य बनाने के लिए आवश्यक कदम उठा रहा है। इस अवसर का लाभ केवल निवेश आकर्षित करके नहीं उठाया जा सकता।इसके लिए गुणवत्ता,समयबद्ध उत्पादन, विश्वसनीय ऊर्जा,पानी, लॉजिस्टिक्स,कुशल मानव संसाधन और अनुसंधान की मजबूत व्यवस्था चाहिए। .भारत में समर्पित माल गलियारों, औद्योगिक गलियारों, बंदरगाहों और डिजिटल बुनियादी ढाँचे का विस्तार इसी व्यापक औद्योगिक व्यवस्था का हिस्सा है। आधुनिक चिप उद्योग को जिस प्रकार की जटिल आपूर्ति श्रृंखला चाहिए, उसके लिए भौतिक और डिजिटल बुनियादी ढाँचा दोनों समान रूप से महत्वपूर्ण हैं। कृत्रिम बुद्धिमत्ता इस पूरी कहानी को और बड़ा बना रही है। एआई के लिए उच्च क्षमता वाली कंप्यूटिंग,डेटा सेंटर और उन्नत चिप की आवश्यकता होगी। दूसरी ओर सेमीकंडक्टर उद्योग स्वयं एआई आधारित डिजाइन, परीक्षण और विनिर्माण तकनीकों से लाभ उठा सकता है।यानी एआई और सेमीकंडक्टर एक-दूसरे को गति देने वाले क्षेत्र बन सकते हैं।भारत यदि दोनों क्षेत्रों में अपनी युवा प्रतिभा को पर्याप्त अवसर देता है तो विकसित भारत की अर्थव्यवस्था में उच्च तकनीकी उद्योगों का महत्व और बढ़ सकता है। स्टार्टअप इस परिवर्तन के तीसरे महत्वपूर्ण स्तंभ हैं। सेमीकॉन इंडिया 2026 में लगभग 40 स्टार्टअप की भागीदारी यह बताती है कि चिप उद्योग का भविष्य केवल कुछ वैश्विक दिग्गज कंपनियों के हाथ में नहीं रहना चाहिए। चिप डिजाइन, सेंसर, इलेक्ट्रॉनिक्स, एम्बेडेड सिस्टम, परीक्षण और विशिष्ट औद्योगिक समाधान के क्षेत्र में छोटे और मध्यम उद्यम भी अपनी जगह बना सकते हैं।सेमीकॉन 2.0 में चिप डिजाइन स्टार्टअप और एमएसएमई के लिए वित्तीय तथा तकनीकी समर्थन की व्यवस्था इसी दिशा में है। यहाँ भारत की युवा शक्ति को एक नया अवसर दिखाई देता है।जिस देश में लाखों युवा इंजीनियर हर वर्ष तकनीकी संस्थानों से निकलते हैं,यदि उनमें से एक हिस्सा भी डीप-टेक और सेमीकंडक्टर स्टार्टअप की ओर जाता है तो आने वाले वर्षों में भारत केवल वैश्विक कंपनियों के लिए प्रतिभा उपलब्ध कराने वाला देश नहीं रहेगा,बल्कि स्वयं वैश्विक तकनीकी कंपनियाँ पैदा कर सकता है।इसी संदर्भ में प्रधानमंत्री का यह आग्रह महत्वपूर्ण है कि विदेशों में शोध कर रहे भारतीय युवा भी भारत की उन्नत तकनीकी यात्रा में योगदान दें। प्रतिभा का वैश्विक अनुभव भारत की घरेलू क्षमता के साथ जुड़े तो शोध,उद्योग और नवाचार के बीच एक नई श्रृंखला तैयार हो सकती है।भारत की आर्थिक यात्रा में यह परिवर्तन इसलिए भी महत्वपूर्ण है क्योंकि विकसित भारत का अर्थ केवल अधिक बड़ा सकल घरेलू उत्पाद नहीं है।विकसित भारत का अर्थ ऐसी अर्थव्यवस्था भी है, जो महत्वपूर्ण तकनीकों के लिए पूरी तरह दूसरों पर निर्भर न हो,जो वैश्विक आपूर्ति श्रृंखला में अपनी भूमिका निभाए, जो उच्च कौशल वाले रोजगार पैदा करे और जो अपने युवाओं को केवल नौकरी खोजने वाला नहीं,बल्कि तकनीक और उद्योग का निमार्ता बनाए।सेमीकॉन इंडिया 2026 इसी बदलाव की एक जीवंत तस्वीर प्रस्तुत कर रहा है। यशोभूमि में एक ओर विश्व की बड़ी सेमीकंडक्टर कंपनियाँ हैं, दूसरी ओर भारतीय स्टार्टअप और युवा प्रतिभाएँ। एक ओर चिप निर्माण की मशीनें और उपकरण हैं, दूसरी ओर डिजाइन और अनुसंधान की नई संभावनाएँ।एक ओर वैश्विक निवेश और साझेदारी है, दूसरी ओर आत्मनिर्भर तकनीकी क्षमता की आकांक्षा।प्रधानमंत्री ने उद्घाटन के दौरान यह भी रेखांकित किया कि भारत की कहानी अब फाइलों और परियोजना घोषणाओं तक सीमित नहीं है।भारतीय संयंत्रों से वाणिज्यिक उत्पादन शुरू होना इस यात्रा के अगले चरण का संकेत है। सेमीकॉन 1.0 के तहत स्वीकृत 12 परियोजनाओं में से तीन इकाइयों के वाणिज्यिक उत्पादन में आने की जानकारी भी सामने आई है। अब चुनौती इस शुरूआती सफलता को व्यापक पारिस्थितिकी तंत्र में बदलने की है।यही वह बिंदु है जहाँ से सेमीकॉन इंडिया 2026 और विकसित भारत 2047 का रिश्ता सबसे स्पष्ट दिखाई देता है। 2047 का भारत यदि दुनिया की प्रमुख अर्थव्यवस्थाओं में अपनी जगह मजबूत करना चाहता है तो उसे केवल बाजार नहीं,बल्कि तकनीकी शक्ति भी बनना होगा। चिप उस तकनीकी शक्ति की बुनियादी इकाई है।भारत की युवा इंजीनियरिंग शक्ति इस परिवर्तन की धुरी बन सकती है। आज का इंजीनियर ही कल का चिप डिजाइनर, शोधकर्ता, उद्यमी, फैब विशेषज्ञ,एआई वैज्ञानिक या वैश्विक तकनीकी कंपनी का संस्थापक बन सकता है।आवश्यकता केवल इतनी है कि उसे गुणवत्तापूर्ण शिक्षा, आधुनिक प्रयोगशाला,उद्योग से जुड़ने का अवसर,अनुसंधान का वातावरण और असफल होने के बाद फिर प्रयास करने की स्वतंत्रता मिले।सेमीकॉन इंडिया 2026 इसलिए एक आयोजन से कहीं अधिक है।यह भारत की उस यात्रा का प्रतीक है,जिसमें देश डिजिटल उपभोक्ता से डिजिटल निमार्ता,तकनीकी उपयोगकर्ता से तकनीकी नवप्रवर्तक और परियोजना प्रस्ताव से वाणिज्यिक उत्पादन की ओर बढ़ रहा है।

मोदी को 'धमकाना' ट्रंप को पड़ा भारी! रूसी तेल पर अमेरिका के नए दांव का भारत ने दिया करारा जवाब

नीरज कुमार दुबे

हम आपको बता दें कि जिस विधेयक को अमेरिकी कांग्रेस में पहली बार अप्रैल 2025 में पेश किया गया था, वह करीब डेढ़ साल तक अमेरिकी राजनीति और ट्रंप प्रशासन की प्राथमिकताओं के बीच अटका रहा। लेकिन इस महीने यानि सितंबर 2026 में तस्वीर अचानक बदल गई।

कहने को तो अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप नरेंद्र मोदी को अपना अच्छा दोस्त कहते हैं, लेकिन सच्चाई यह है कि शायद वह मोदी को अब तक अच्छे से जान ही नहीं पाए हैं। देखा जाये तो जो लोग नरेंद्र मोदी को जानते नहीं, वह अक्सर धमकियों, प्रतिबंधों और आर्थिक दबाव के सहारे उन्हें झुकाने का सपना देखते हैं। लेकिन मोदी का संकल्प साफ है कि भारत के हितों से समझौता नहीं होगा और देश को किसी विदेशी दबाव के आगे झुकने नहीं देना है। उनके हर फैसले में यही दृढ़ता दिखाई देती है। दूसरी ओर, ट्रंप ने अपने दूसरे कार्यकाल की शुरूआत से ही भारत पर दबाव बनाने के लिए शुल्क, व्यापारिक दबाव और रूस से तेल खरीद बंद कराने जैसी तमाम कोशिशें कीं, लेकिन नई दिल्ली ने हर बार अपने राष्ट्रीय हित को सर्वोच्च रखा। अब अमेरिका एक बार फिर टैरिफ रूपी आर्थिक हथियार लेकर मैदान में उतरा है, लेकिन मोदी सरकार ने भी बिना देर किए वाशिंगटन को साफ संदेश दे दिया है कि भारत की ऊर्जा सुरक्षा और आर्थिक हित किसी विदेशी दबाव की कीमत पर तय नहीं होंगे।

हम आपको बता दें कि जिस विधेयक को अमेरिकी कांग्रेस में पहली बार अप्रैल 2025 में पेश किया गया था, वह करीब डेढ़ साल तक अमेरिकी राजनीति और ट्रंप प्रशासन की प्राथमिकताओं के बीच अटका रहा। लेकिन इस महीने यानि सितंबर 2026 में तस्वीर अचानक बदल गई। भारत में आयोजित ब्रिक्स शिखर सम्मेलन में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन और चीनी राष्ट्रपति शी जिनपिंग के साथ सक्रिय कूटनीतिक भागीदारी के कुछ ही दिनों बाद अमेरिकी प्रतिनिधि सभा ने रूस और ईरान पर नए प्रतिबंधों वाला विधेयक पारित कर दिया। घटनाक्रम का समय भले ही संयोग हो, लेकिन संदेश बेहद स्पष्ट है कि वाशिंगटन रूस से जुड़े देशों पर आर्थिक दबाव बढ़ाने के लिए अब शुल्क को हथियार के रूप में इस्तेमाल करने को तैयार है।

लेकिन भारत ने भी अमेरिका को उसी क्षण जवाब दे दिया। भारतीय विदेश मंत्रालय ने दो टूक कहा कि भारत अपने 140 करोड़ नागरिकों की ऊर्जा सुरक्षा से कोई समझौता नहीं करेगा। मंत्रालय ने स्पष्ट किया कि भारत बदलती बाजार परिस्थितियों के अनुसार अलग-अलग स्त्रोतों से ऊर्जा खरीदता रहेगा। इतना ही नहीं, नई दिल्ली ने अमेरिका को याद दिलाया कि इस कदम के भारत-अमेरिका संबंधों के साथ-साथ पूरे अंतरराष्ट्रीय ऊर्जा बाजार पर पड़ने वाले संभावित प्रभावों के बारे में अमेरिकी पक्ष को पहले ही उच्च स्तर पर स्पष्ट रूप से बताया जा चुका है। इसके साथ ही विदेश मंत्रालय ने महत्वपूर्ण संदेश देते हुए कहा कि भारत अपने व्यापार और आर्थिक हितों की रक्षा के लिए सभी

आवश्यक कदम उठाएगा। यानी अमेरिका शुल्क की धमकी दे सकता है, लेकिन भारत अपनी ऊर्जा सुरक्षा की कीमत पर किसी विदेशी दबाव के आगे झुकने के लिए तैयार नहीं है।

दरअसल, जिस विधेयक को अब ह्यलिंडसे ओ. ग्राहम रूस और ईरान प्रतिबंध अधिनियम 2026ह्व कहा जा रहा है, उसकी कहानी डेढ़ साल पुरानी है। अप्रैल 2025 में लिंडसे ग्राहम और रिचर्ड ब्लूमेंथल ने रूस के खिलाफ कड़े प्राथमिक और द्वितीयक प्रतिबंधों की पहल की थी। इसके बाद लंबे समय तक इसे कांग्रेस और प्रशासन के बीच समर्थन जुटाने की प्रक्रिया से गुजरना पड़ा। जुलाई 2026 में व्हाइट हाउस से सहमति बनने के बाद इसकी राह खुली। अगस्त में सीनेट ने इसे 86 के मुकाबले 11 मतों से पारित किया और 16 सितंबर को प्रतिनिधि सभा ने 262 के मुकाबले 159 मतों से इसे मंजूरी दे दी।

यह विधेयक अमेरिकी राष्ट्रपति को रूस के तेल और गैस के सबसे बड़े खरीदारों पर सौ प्रतिशत तक शुल्क लगाने का अधिकार देता है। भारत और चीन इसके निशाने पर हैं। इसके पीछे अमेरिकी रणनीति रूस की ऊर्जा आय को चोट पहुंचाने की है, ताकि यूक्रेन युद्ध के लिए मास्को को मिलने वाले आर्थिक संसाधनों पर दबाव बनाया जा सके। विधेयक में रूस के ऊर्जा और रक्षा क्षेत्रों के साथ-साथ प्रतिबंधों से बचने वाले उसके जहाजी बेड़े पर भी शिकंजा कसने का प्रावधान है। लेकिन अमेरिका शायद यह भूल रहा है कि भारत रूस से तेल किसी राजनीतिक एहसान के लिए नहीं खरीद रहा।

भारत की जरूरत है सस्ती, विश्वसनीय और लगातार उपलब्ध ऊर्जा। 2022 में रूस भारत के लिए कोई बड़ा तेल आपूर्तिकर्ता नहीं था। रूस-यूक्रेन युद्ध के बाद यूरोप द्वारा रूसी तेल पर प्रतिबंध लगाए जाने से रूस का कच्चा तेल भारी छूट पर उपलब्ध हुआ और भारत ने अपने आर्थिक हित में इसे खरीदना शुरू किया। इसके बाद रूस भारत का सबसे बड़ा कच्चा तेल आपूर्तिकर्ता बन गया। वित्त वर्ष 2026 में भारत के कुल कच्चे तेल आयात में रूसी हिस्सेदारी 30.3 प्रतिशत रही और करीब 134.7 अरब डॉलर के कुल आयात में रूस से आने वाले तेल की कीमत 40.8 अरब डॉलर रही। जुलाई 2026 में तो भारत के आयातित तेल में रूसी हिस्सेदारी आधे से भी ज्यादा पहुंच गई।

इसके अलावा, आज वैश्विक परिस्थितियों को देखें तो वह भी सामान्य नहीं हैं। पश्चिम एशिया में युद्ध और आपूर्ति संकट ने तेल बाजार को बुरी तरह प्रभावित किया है। होर्मुज जलडमरूमध्य में बाधाएं हैं और वैकल्पिक आपूर्ति स्त्रोत भी दबाव में हैं। भारत 40 से अधिक देशों से कच्चा तेल खरीदता है, लेकिन रूस और पश्चिम एशिया उसकी ऊर्जा सुरक्षा के मुख्य आधार बने हुए हैं। ऐसे समय में अचानक रूसी तेल बंद करना केवल रूस के खिलाफ फैसला नहीं होगा, बल्कि भारत की अपनी ऊर्जा सुरक्षा पर सीधा असर डाल सकता है।

यही कारण है कि पिछले साल अमेरिकी दंडात्मक शुल्क भी भारत को रूसी तेल से पूरी तरह दूर नहीं कर सके। भारतीय रिफाइनरियों ने रूसी तेल की खरीद में बड़ी कटौती तब की जब रूस की प्रमुख तेल कंपनियों पर सीधे प्रतिबंध लगाए गए और व्यापार करना कठिन हो गया। लेकिन जैसे ही पश्चिम एशिया में आपूर्ति संकट गहराया, भारत ने फिर रूसी तेल की खरीद बढ़ा दी। जुलाई में रूसी तेल की खरीद अपने उच्चतम स्तर पर पहुंच गई। इससे एक बात साफ होती है कि भारत के लिए ऊर्जा सुरक्षा कोई सौदेबाजी का विषय नहीं है।

यहां इस पूरे घटनाक्रम का सामरिक महत्व सामने आता है। अमेरिका रूस पर आर्थिक दबाव बढ़ाना चाहता है। जबकि रूस भारत की ऊर्जा सुरक्षा का महत्वपूर्ण आधार बना हुआ है। चीन भी रूसी ऊर्जा का बड़ा खरीदार है। साथ ही भारत एक साथ अमेरिका, रूस, चीन, ईरान तथा पश्चिम एशिया के देशों के साथ अपने हितों का संतुलन साध रहा है। ऐसे में नई दिल्ली के सामने चुनौती किसी एक खेमे में जाने की नहीं, बल्कि अपनी रणनीतिक स्वायत्तता बचाए रखने की है।

इसके अलावा, ब्रिक्स सम्मेलन में मोदी की पुतिन और जिनपिंग के साथ बढ़ती कूटनीतिक निकटता ने जिस बदलती विश्व व्यवस्था की तस्वीर अमेरिका के सामने रखी, उसके कुछ ही दिनों बाद अमेरिकी कांग्रेस का रूस से तेल खरीदने वाले देशों पर शिकंजा कसने वाला कदम कई सवाल खड़े करता है। सवाल उठता है कि क्या वाशिंगटन को यह स्वीकार करना मुश्किल हो रहा है कि दुनिया अब उसकी शर्तों पर नहीं चलती? देखा जाये तो भारत, रूस और चीन का एक मंच पर आना और बहुध्रुवीय विश्व व्यवस्था तथा संप्रभु समानता की वकालत करना उस अमेरिकी वर्चस्ववादी सोच के लिए सीधी चुनौती है, जिसमें लंबे समय से आर्थिक ताकत को कूटनीतिक दबाव के हथियार की तरह इस्तेमाल किया जाता रहा है। लेकिन बदलती दुनिया का संदेश साफ है। भारत सहित उभरती शक्तियां अब अपने राष्ट्रीय हितों का फैसला किसी बाहरी राजधानी के इशारे पर नहीं करेंगी।

खैर...अब गेंद ट्रंप के पाले में है। अमेरिकी कांग्रेस ने उन्हें सौ प्रतिशत तक शुल्क लगाने की शक्ति दे दी है, लेकिन इसका अर्थ यह नहीं कि सौ प्रतिशत शुल्क स्वतः लागू हो गया। अंतिम निर्णय ट्रंप को करना है। शुल्क कितना होगा, किन वस्तुओं पर लागू होगा और कब लागू होगा, इन सबका असर भारत-अमेरिका व्यापार पर पड़ेगा। भारत का रुख स्पष्ट है कि ऊर्जा सुरक्षा से समझौता नहीं होगा, विकल्पों का विस्तार जारी रहेगा, अमेरिका से बातचीत जारी रहेगी और राष्ट्रीय हितों पर कोई एकतरफा समझौता नहीं होगा। अमेरिकी शुल्क चाहे जितना बड़ा हो, भारत के लिए असली सवाल किसी एक देश को खुश करना नहीं, बल्कि 140 करोड़ भारतीयों के लिए ऊर्जा, अर्थव्यवस्था और रणनीतिक स्वायत्तता सुरक्षित रखना है। विदेश मंत्रालय पहले ही अपना रुख स्पष्ट कर चुका है। भारत अपने व्यापार और आर्थिक हितों की रक्षा के लिए सभी आवश्यक कदम उठाएगा।

उत्तराखंड : शिखर की ओर

निवेश संबंधी पहल से निखर रहा उत्तराखंड

" यह उत्सव केवल वित्तीय निवेश का प्रतीक नहीं है, बल्कि उत्तराखंड की संभावनाओं, उद्यमशीलता और समावेशी विकास का भी प्रतिबिंब है। 3 .56 लाख करोड़ रुपये के एमओयू साइन हुए हैं, जिनमें से 1 लाख करोड़ रुपये से अधिक के निवेश प्रस्तावों को धरातल पर उतारा जा चुका है। उत्तराखंड निवेश, नवाचार और औद्योगिक विकास के नए आयाम छू रहा है। निवेशक हमारे ब्रांड एंबेसडर हैं। उनके सकारात्मक अनुभव उत्तराखंड की छवि को देश और दुनिया में सशक्त बना रहे हैं।"

— **पुष्कर सिंह धामी,** मुख्यमंत्री, उत्तराखंड

उत्तराखंड निवेश उत्सव 2025: निवेश और विकास का नया युग

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के दूरदर्शी विजन और उत्तराखंड के मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी के सक्षम मार्गदर्शन में राज्य ने हाल ही में रुद्रपुर में भव्य निवेश उत्सव- 2025 का आयोजन कर एक ऐतिहासिक उपलब्धि हासिल की। इस अवसर पर 1 लाख करोड़ रुपये से अधिक के निवेश को धरातल पर उतारने की सफलता का उत्सव मनाया गया, जो उत्तराखंड के औद्योगिक विकास और आर्थिक सशक्तिकरण की दिशा में एक बड़ा व सकारात्मक कदम है

PICS: DIPR, UTTARAKHAND GOVERNMENT

गृह मंत्री अमित शाह, मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी, विधानसभा अध्यक्ष रितु खंडूरी के साथ रुद्रपुर में निवेश उत्सव में बाबा रामदेव और अन्य गणमान्य व्यक्ति

उत्तराखंड के औद्योगिक परिदृश्य में ऐतिहासिक पल तब आया जब रुद्रपुर के स्पोर्ट्स स्टेडियम में भव्य 'उत्तराखंड निवेश उत्सव 2025' का आयोजन किया गया। यह आयोजन दिसंबर 2023 में आयोजित 'उत्तराखंड ग्लोबल इन्वेस्टर्स समिट' के बाद 1 लाख करोड़ रुपये से अधिक के निवेश प्रस्तावों को धरातल पर उतारने की सफलता का प्रतीक बना।

इस अवसर पर केंद्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री अमित शाह ने मुख्य अतिथि के रूप में कार्यक्रम की शोभा बढ़ाई।

बुनियादी ढांचे को बढ़ावा

₹1.86 लाख करोड़

पिछले एक दशक में केंद्र सरकार द्वारा आवंटित राशि, जिसमें शामिल हैं

₹31,000 करोड़

सड़क के लिए

₹40,000 करोड़

रेल के लिए

₹100 करोड़

हवाई अड्डे के विकास के लिए

"1 लाख करोड़ रुपये के निवेश को धरातल पर उतारना सराहनीय उपलब्धि है। आमतौर पर 5 से 10 प्रतिशत एमओयू ही साकार हो पाते हैं, लेकिन उत्तराखंड ने 30 प्रतिशत सफलता हासिल की है। किसी पर्वतीय राज्य में निवेश लाना पहाड़ चढ़ने जितना कठिन है, लेकिन धामीजी ने इस सोच को गलत साबित कर दिया है। यह निवेश अब तक अधिकाधरोजगार सृजित कर चुका है और संबद्ध उद्योगों से 2 .5 लाख और रोजगार सृजन की संभावना है। उत्तराखंड ने विकास और पर्यावरण संरक्षण के बीच बेहतरीन संतुलन किया है, जिसमें पारदर्शी नीतियां, त्वरित क्रियान्वयन और दूरदर्शी सोच की महत्वपूर्ण भूमिका रही है।"

— **अमित शाह,** केंद्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री

गृहमंत्री ने मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी के नेतृत्व में राज्य सरकार के कार्यों की सराहना करते हुए कहा कि उन्होंने वादों को वास्तविकता में बदलकर दिखाया है। अमित शाह ने इस उपलब्धि को 'सच्चे पराक्रम का परिचायक' बताया और राज्य को मोदी सरकार की ओर से हर संभव सहयोग का भरोसा दिलाया।

'टीम धामी' को अमित शाह का समर्थन

गृहमंत्री अमित शाह ने दोहराया कि उत्तराखंड जैसे पर्वतीय राज्य में निवेश लाना शिखर पर चढ़ने जैसा कठिन काम है, लेकिन मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने इस धारणा को पूरी तरह तोड़ दिया है। उन्होंने राज्य सरकार की इस बात के लिए सराहना की कि विकास और पर्यावरणीय संरक्षण के बीच संतुलन का विशिष्ट उदाहरण प्रस्तुत किया है। उन्होंने मुख्यमंत्री की पारदर्शी नीतियों, त्वरित क्रियान्वयन और दूरदर्शी नेतृत्व की खुले मन से प्रशंसा की।

उन्होंने यह भी कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में देश का आधारभूत ढांचा मजबूत हुआ है। पिछले 10 वर्षों में नेशनल हाईवे की लंबाई में 60% की वृद्धि हुई है। 8 लाख किलोमीटर से अधिक ग्रामीण सड़कों का निर्माण हुआ है। 333 ज़िलों को वंदे भारत ट्रेनों से जोड़ा गया है और 88 नए हवाई अड्डों का उद्घाटन किया गया है।

उत्तराखंड से विकसित भारत का विज़न

गृह मंत्री अमित शाह ने कहा कि प्रधानमंत्री के 'विकसित भारत 2047' के संकल्प को साकार करने के लिए उत्तराखंड का विकास जरूरी है। उन्होंने कहा कि जब तक छोटे राज्यों और पूर्वोत्तर भारत का समग्र विकास नहीं होगा, तब तक विकसित भारत का लक्ष्य पूरा नहीं हो सकता है। उन्होंने उत्तराखंड की रणनीतिक और आध्यात्मिक महत्ता को ध्यान में रखते हुए कहा कि यह राज्य ज्योतिर्लिंगों, शक्तिपीठों, पंचकेदार और पंचप्रयागों की भूमि है, इसलिए भी इस पावन राज्य का विकास अपरिहार्य हो जाता है। उन्होंने उत्तराखंड में चल रही कई मेगा परियोजनाओं का उल्लेख किया, जिनमें चारधाम ऑल वेदर रोड, केदारनाथ और हेमकुंड साहिब तक रोपवे, पर्यटन, एमएसएमई, स्टार्टअप्स और फिल्म नीति में निवेश शामिल हैं। निवेश से जुड़ी ये बातें इस बात का संकेत दे रही हैं कि उत्तराखंड निरंतर विकास की ओर अग्रसर है।

सरकारी प्रयासों की उद्योग जगत ने की सराहना

उत्तराखंड उद्योग संघ (IAU) ने राज्य में हुए इस विकास का स्वागत करते हुए 30% निवेश धरातलीकरण दर को 'असाधारण' बताया, जो कि राष्ट्रीय औसत 5–10% की तुलना में कहीं अधिक है। IAU के अध्यक्ष पंकज गुप्ता ने इसे सकारात्मक विकास बताया, जिसका प्रभाव दीर्घकालिक होगा। उन्होंने इसकी सफलता का श्रेय मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी के कुशल नेतृत्व को दिया, जिन्होंने राज्य को निवेश-अनुकूल बनाने में निर्णायक भूमिका निभाई है। उन्होंने कहा कि सरकार की आर्थिक रणनीति केवल औद्योगिक क्षेत्र तक सीमित नहीं है, बल्कि ऊर्जा, आवास और पर्यटन जैसे क्षेत्रों को भी समाहित करती है।

" मैं उत्तराखंड सरकार को पिछले कुछ वर्षों में हासिल की गई उपलब्धियों के लिए बधाई देता हूं। यह पर्यटन और नवीकरणीय ऊर्जा जैसे प्रमुख क्षेत्रों पर निरंतर नीतिगत प्रोत्साहन और इस पर ध्यान देने से ही संभव हुआ है। साथ ही, राज्य ने बुनियादी ढांचे के विकास में महत्वपूर्ण प्रगति की है, जो सतत विकास के लिए नए मानक स्थापित करता है। अपने प्राकृतिक संसाधनों के उपयोग और पर्यटन को बढ़ावा देने की प्रतिबद्धता ने न केवल यहां की अर्थव्यवस्था को मजबूती दी है, बल्कि वैश्विक मंच पर राज्य ने अपनी क्षमता को प्रदर्शित किया है। मैं समावेशी विकास के लिए राज्य के समर्पण की सराहना करता हूं और आने वाले वर्षों में इसकी निरंतर सफलता की आशा करता हूं।

-नरेन्द्र मोदी, प्रधानमंत्रीस

एक आशाजनक राह की ओर

पिछले एक दशक में केंद्र सरकार ने उत्तराखंड को ₹1.86 लाख करोड़ से अधिक की राशि आवंटित की है, जिसमें ₹31,000 करोड़ सड़क विकास, 40,000 करोड़ रेलवे परियोजनाओं और ₹100 करोड़ हवाई अड्डा विकास के लिए शामिल हैं। गृहमंत्री अमित शाह ने आश्वासन दिया कि शेष निवेश लक्ष्यों को भी पूरा करने के लिए केंद्र हर स्तर पर उत्तराखंड सरकार के साथ भागीदारी के लिए तैयार है। हम हर कदम पर आपके साथ खड़े हैं।

मुख्यमंत्री धामी: निवेशक हमारे ब्रांड एंबेसडर हैं

मुख्यमंत्री धामी ने प्रमुख अधिकारियों के साथ निवेश की समीक्षा की

मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने समारोह को संबोधित करते हुए कहा कि 'निवेश उत्सव' केवल पूंजी का उत्सव नहीं, बल्कि उत्तराखंड के समावेशी विकास मॉडल का प्रतीक है, जो उद्यमशीलता, जनसहभागिता और नवाचार पर आधारित है। इस अवसर पर उन्होंने ₹1,342 करोड़ की परियोजनाओं का शिलान्यास और लोकार्पण करने की घोषणा की।

मुख्यमंत्री ने बताया कि 2023 में आयोजित ग्लोबल इन्वेस्टर्स समिट के दौरान ₹3 .56 लाख करोड़ के एमओयू साइन किए गए थे, जिनमें से ₹1 लाख करोड़ के निवेश प्रस्ताव पहले ही धरातल पर उतर चुके हैं। उन्होंने कहा कि उत्तराखंड अब निवेश, नवाचार और औद्योगिक विकास के नए शिखर छू रहा है।

उन्होंने यह भी बताया कि वोकल फॉर लोकल, मेक इन इंडिया, स्किल इंडिया और स्टार्टअप इंडिया जैसी नीतियों के जरिए देश आत्मनिर्भरता की दिशा में तेज़ी से आगे बढ़ रहा है। मुख्यमंत्री ने उद्योग, लॉजिस्टिक्स, एमएसएमई और स्टार्टअप सहित 30 से अधिक नीतियों के क्रियान्वयन की जानकारी दी।

राज्य सरकार ने ₹200 करोड़ का स्टार्टअप वेंचर फंड स्थापित किया है और काशीपुर में एरोमा पार्क, सितारगंज में प्लास्टिक पार्क तथा खुरपिया में इंडस्ट्रियल स्मार्ट सिटी जैसी परियोजनाएं शुरू की हैं। अब राज्य में 260 से अधिक बिज़नेस सेवाएं ऑनलाइन उपलब्ध हैं और उत्तराखंड 'ईज ऑफ डूइंग बिजनेस' में अचीवर तथा 'स्टार्टअप रैंकिंग' में अग्रणी राज्य के रूप में मान्यता प्राप्त कर चुका है।

उत्तराखंड राज्य सौर नीति 2023 : स्वच्छ ऊर्जा की ओर सशक्त कदम बढ़ाता हिमालयी राज्य

उत्तराखंड राज्य सौर नीति 2023 में वर्ष 2027 तक 2,500 मेगावाट सौर ऊर्जा उत्पादन का महत्वाकांक्षी रोडमैप प्रस्तुत किया गया है, जिससे राज्य को हिमालयी क्षेत्र में स्वच्छ ऊर्जा के अग्रणी प्रदेश के रूप में स्थापित करने का लक्ष्य है।

सात जून 2023 को मंजूर की गई उत्तराखंड राज्य सौर नीति 2023 राज्य सरकार की एक दूरदर्शी पहल है। इसका उद्देश्य सौर ऊर्जा उत्पादन को बढ़ावा देकर पारंपरिक ऊर्जा स्रोतों पर निर्भरता को कम करना है। यह नीति देश के व्यापक स्वच्छ ऊर्जा लक्ष्यों के अनुरूप तैयार की गई है और 2027 तक 2,500 मेगावाट सौर क्षमता विकसित करने का स्पष्ट रोडमैप प्रस्तुत करती है।

इस नीति का उद्देश्य:

इस नीति के अंतर्गत राज्य के पहाड़ी और मैदानी दोनों क्षेत्रों में उपलब्ध सौर क्षमता का प्रभावी उपयोग शामिल है। इसके माध्यम से ऊर्जा सुरक्षा सुनिश्चित करना और निजी निवेश को आकर्षित करना है, ताकि स्थानीय रोजगार के अवसरों को बढ़ावा दिया जा सके। यह नीति सोलर पार्क, रूफटॉप सोलर सिस्टम, फ्लोटिंग सोलर प्लांट्स व हाइब्रिड परियोजनाओं को बढ़ावा देती है, जो सौर ऊर्जा को अन्य नवीकरणीय स्रोतों से जोड़ती है। विकेन्द्रित नवीकरणीय ऊर्जा प्रणालियों (डीआरई) को बढ़ावा देना नीति का प्रमुख फोकस है, जिससे दूर-दराज और वंचित क्षेत्रों तक ऊर्जा की पहुंच सुनिश्चित की जा सके। यह उत्तराखंड की भौगोलिक चुनौतियों के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण है।

प्रोत्साहन और सुविधा

इस नीति के अंतर्गत निवेशकों और परियोजना डेवलपर्स के लिए कई वित्तीय और नियामक प्रोत्साहनों की व्यवस्था की गई है।

- ►बिजली शुल्क और क्रॉस-सब्सिडी अधिभार से छूट
- ►सौर परियोजनाओं के लिए प्रयुक्त भूमि पर स्टांप शुल्क से छूट
- ►त्वरित अनुमोदन के लिए सिंगल विंडो क्लीयरेंस सिस्टम
- ►प्राथमिकता के आधार पर ग्रिड कनेक्टिविटी और भूमि बैंकिंग सहायता, जो उत्तराखंड अक्षय ऊर्जा विकास एजेंसी (उरेडा) के माध्यम से प्रदान की जाएगी।

साथ ही, प्राथमिकता के आधार पर ग्रिड कनेक्टिविटी और लैंड बैंकिंग सहायता, जो उरेडा (उत्तराखंड अक्षय ऊर्जा विकास एजेंसी) के माध्यम से प्रदान की जाएगी। वहीं, यह नीति पीपीपी मॉडल, सरकारी भवनों पर रूफटॉप सोलर और निजी क्षेत्र की भागीदारी को बढ़ावा देती है। साथ ही यह स्थानीय रोजगार सृजन और क्षमता निर्माण के लिए प्रशिक्षण को भी अनिवार्य बनाती है।

सतत विकास की ओर अग्रसर

उत्तराखंड राज्य सौर नीति 2023 एक असरदार रणनीति और सहायक बुनियादी ढांचे के साथ यह हिमालयी क्षेत्र में स्वच्छ ऊर्जा परिवर्तन की दिशा में एक महत्वपूर्ण छलांग है। यह नीति न केवल राज्य की जलवायु परिवर्तन के प्रति प्रतिबद्धता को सुदृढ़ करती है, बल्कि उत्तराखंड को पर्वतीय क्षेत्रों में नवीकरणीय ऊर्जा अपनाने का एक आदर्श मॉडल भी बनाती है। यह नीति उत्तराखंड के भविष्य को ऊर्जा आत्मनिर्भरता और पर्यावरणीय संतुलन की दिशा में अग्रसर करती है।

उत्तराखंड पर्यटन नीति 2023: सतत विकास और निवेश को प्रोत्साहित करता सशक्त रोडमैप

उत्तराखंड पर्यटन नीति 2023 एक परिवर्तनकारी खाका प्रस्तुत करती है, जिसका उद्देश्य राज्य को एक प्रमुख सतत और निवेश-अनुकूल पर्यटन गंतव्य के रूप में स्थापित करना है। यह नीति नवाचार, बुनियादी ढांचे के विकास और समावेशी वृद्धि को बढ़ावा देने पर आधारित है।

उत्तराखंड पर्यटन नीति 2023 राज्य को वैश्विक स्तर पर मान्यता प्राप्त पर्यटन केंद्र के रूप में स्थापित करने की दिशा में एक व्यापक और परिवर्तनकारी दृष्टिकोण प्रस्तुत करती है। यह नीति 31 मार्च 2030 तक प्रभावी रहेगी और पर्यटन आधारित विकास को गति देने के साथ आर्थिक समावेशन, पर्यावरणीय स्थिरता और निवेशक अनुकूलता सुनिश्चित करने के लिए तैयार की गई है।

इस नीति के अंतर्गत सभी अनुमोदन और प्रोत्साहन दावों को सिंगल विंडो क्लियरेंस सिस्टम के माध्यम से आगे बढ़ाया जाएगा। इसमें केवल उन्हीं परियोजनाओं को लाभ मिलेगा, जिनकी वाणिज्यिक परिचालन तिथि (सीओसी) नीति की अवधि के अंतर्गत होगी।

संस्थागत ढांचा और नीति की प्राथमिकताएं

यह नीति पब्लिक-प्राइवेट पार्टनरशिप (पीपीपी) को सक्षम बनाने और हॉस्पिटैलिटी, वेलनेस, एडवेंचर, हेरिटेज और ग्रामीण पर्यटन जैसे विविध क्षेत्रों में निवेश लाने पर केंद्रित है।

नीति के क्रियान्वयन के लिए उत्तराखंड पर्यटन विकास बोर्ड (यूटीडीबी) को नोडल एजेंसी बनाया गया है। इसमें 50 करोड़ रुपये से अधिक की परियोजनाओं के लिए राज्य स्तरीय सशक्त समिति (एसएलईसी) का गठन किया गया है। साथ ही, 50 करोड़ रुपये तक की एमएसएमई परियोजनाओं के लिए जनपद स्तरीय सशक्त समितियां (डीएलईसी) बनाई गई हैं। वहीं, परियोजनाओं की भौतिक जांच और सत्यापन के लिए जनपद स्तरीय पर्यटन समितियां (डीएलसीटी) गठित की गई है।

योग्य परियोजनाएं और निवेश प्रोत्साहन

इस नीति के अंतर्गत विभिन्न प्रकार की पर्यटन इकाइयों को योग्य माना गया है। इसमें होटल, रिसॉर्ट, विरासत भवन, रोपवे, ईको-लॉज, योग एवं वेलनेस सेंटर, मनोरंजन पार्क, साहसिक पर्यटन सुविधाएं आदि शामिल हैं। इनमें से प्रत्येक श्रेणी के लिए न्यूनतम निवेश और बुनियादी ढांचे की शर्तें तय की गई हैं, जिससे गुणवत्ता और निवेश को बढ़ावा मिले। साथ ही, सभी इकाइयों को राष्ट्रीय सुरक्षा मानकों का पालन करना अनिवार्य होगा।

पूंजीगत और गैर-पूंजीगत प्रोत्साहन

इस नीति के तहत निवेशकों को दो श्रेणियों में प्रोत्साहन दिए जाएंगे। इसके अंतर्गत प्रोत्साहनों को पूंजी निवेश सब्सिडी और अतिरिक्त प्रतिपूर्ति में विभाजित किया गया है, जैसे कि-

- ►एसजीएसटी की वापसी (नेट आउटपुट लायबिलिटी पर)
- ►भूमि पट्टे और मॉर्गेज दस्तावेजों पर स्टांप शुल्क से छूट
- ►नई इकाइयों के लिए विद्युत शुल्क में छूट
- ►ब्याज अनुदान और विपणन सब्सिडी, व्यय के आधार पर
- ►प्रशिक्षण और कौशल विकास प्रोत्साहन
- ►देशी पर्यटकों, MICE कार्यक्रमों और ऑनलाइन बुकिंग के आधार पर प्रदर्शन-आधारित प्रोत्साहन

पिछड़े और दूरस्थ क्षेत्रों में स्थापित इकाइयों को पूंजीगत परिसंपत्तियों की लागत पर 50% तक की सब्सिडी दी जाएगी, जिससे क्षेत्रीय असंतुलन को दूर किया जा सके।

उत्तराखंड स्टार्टअप नीति 2023: नवाचार और समावेशी विकास की ओर सकारात्मक पहल

उत्तराखंड स्टार्टअप नीति 2023 एक महत्वपूर्ण पहल है, जिसका उद्देश्य राज्यभर में रोजगार सृजन और स्टार्टअप्स को सशक्त बनाकर एक मजबूत उद्यमशील पारिस्थितिकी तंत्र का निर्माण करना है।

उत्तराखंड स्टार्टअप नीति 2023 राज्य सरकार की एक दूरदर्शी पहल है, जिसका उद्देश्य हर साल 1,000 नए स्टार्टअप की शुरुआत कर सशक्त उद्यमिता पारिस्थितिकी तंत्र तैयार करना है। यह नीति नवाचार को प्रोत्साहित करने, रोज़गार के अवसर बढ़ाने और स्थानीय प्रतिभा को आगे लाने का सशक्त माध्यम है।

इस नीति के माध्यम से वित्तीय सहायता और प्रोत्साहन प्रदान की जा रही है। नीति के तहत स्टार्टअप्स को विभिन्न चरणों में यह सहायता दी जाती है। इसमें प्रति माह 15,000 का भत्ता, विशेष श्रेणियों (SC/ST/दिव्यांग) के लिए 20,000 रुपये प्रति माह प्रदान की जाती है। वहीं 15 लाख रुपये तक का सीड फंड भी उपलब्ध कराया जाता है, जिससे शुरुआती दौर में स्टार्टअप के संचालन को स्थिरता मिलती है।

इसके साथ ही इस पॉलिसी के माध्यम से इंटलक्चुअल प्रॉपर्टी राइट्स के लिए भी सहायता उपलब्ध कराई जाती है। इसके अंतर्गत राष्ट्रीय पेटेंट में आवेदन करने के लिए 1 लाख रुपये तक की सहायता, अंतरराष्ट्रीय पेटेंट कराने के लिए 5 लाख रुपये तक की सहायता, वहीं ट्रेडमार्क और इंडस्ट्रियल डिज़ाइन के लिए 10,000 रुपये तक की सहायता प्रदान की जाती है।

यह नीति उन्हीं स्टार्टअप्स को कवर करती है, जो 10 वर्षों की अवधि के अंदर स्थापित हुए हों और उत्पाद, सेवा या प्रक्रिया में नवाचार या सुधार ला रहे हों। इसके अलावा रोज़गार और संपत्ति सृजन की मजबूत क्षमता रखते हों।

इस नीति के अंतर्गत राज्य सरकार हर जिले में इन्क्यूबेशन सेंटर स्थापित कर रही है, जो कई तरह की सुविधाएं उपलब्ध कराती हैं। मेंटरशिप और नेटवर्किंग के अवसर, बुनियादी ढांचा और तकनीकी सहायता व प्रशिक्षण और जागरूकता कार्यक्रम शामिल हैं। यह नीति उत्तराखंड को स्टार्टअप इंडिया अभियान में प्रमुख रूप से स्थापित करने की दिशा में एक प्रभावशाली कदम है।

उत्तराखंड लॉजिस्टिक्स नीति 2023: बेहतर और स्थिर लॉजिस्टिक्स तंत्र की नींव

इस नीति से व्यापार को मिलेगा बल, लागत घटेगी और तकनीक-संचालित भविष्य की ओर तेजी से बढ़ेंगे कदम

उत्तराखंड लॉजिस्टिक्स नीति 2023 का उद्देश्य राज्य में एक एकीकृत, पर्यावरण-अनुकूल और निवेश-उन्मुख लॉजिस्टिक्स तंत्र बनाना है। यह नीति लॉजिस्टिक्स की लागत घटाने, निर्यात बढ़ाने और राष्ट्रीय लॉजिस्टिक्स इंडेक्स में रैंकिंग सुधारने पर आधारित है।

यह नीति वित्तीय और गैर-वित्तीय प्रोत्साहनों के माध्यम से नए और मौजूदा दोनों प्रकार के लॉजिस्टिक्स उद्यमों का समर्थन करती है। इसमें विशेष रूप से रणनीतिक और उच्च घनत्व वाले औद्योगिक क्षेत्रों में लॉजिस्टिक्स पार्क, कोल्ड चेन, ट्रक टर्मिनल, एयर कार्गो कॉम्प्लेक्स और अंतर्देशीय कंटेनर डिपो के विकास को शामिल किया गया है। यह नीति ग्रीन लॉजिस्टिक्स को बढ़ावा देती है, सार्वजनिक-निजी भागीदारी को प्रोत्साहित करती है और एआई, ब्लॉकचेन व स्मार्ट इंफोर्समेंट सिस्टम्स जैसी उन्नत तकनीकों को एकीकृत करती है।

यह नीति PPP मॉडल के तहत निजी निवेश को प्रोत्साहन देती है, जिसमें सिंगल विंडो क्लीयरेंस, पंतनगर जैसे मल्टीमॉडल लॉजिस्टिक्स पार्क और औद्योगिक कॉरिडोर के माध्यम से राज्य को लैंडलॉक राज्यों के लिए आदर्श लॉजिस्टिक्स हब के रूप में स्थापित करने का प्रयास करती है।

उत्तराखंड मेगा इंडस्ट्रियल और इन्वेस्टमेंट नीति 2025 : बड़े निवेश और औद्योगिक विकास की नई दिशा

इस नीति का उद्देश्य हिमालयी राज्य को निवेशकों की पहली पसंद बनाने के लिए तैयार करना है

उत्तराखंड मेगा इंडस्ट्रियल और निवेश नीति 2025 का उद्देश्य राज्य को बड़े पैमाने पर निवेश के लिए पसंदीदा गंतव्य बनाना है। यह नीति सूचना की तारीख से पांच वर्षों तक प्रभावी रहेगी।

यह नीति सिंगल-विंडो सिस्टम के माध्यम से आवेदन करने वाली इकाइयों को वित्तीय प्रोत्साहन प्रदान करती है। इसमें उद्यमों को चार निवेश श्रेणियों में विभाजित किया गया है, जिसमें बड़े (50-200 करोड़ रुपये), अल्ट्रा लार्ज (200-500 करोड़ रुपये), मेगा (500-1000 करोड़ रुपये) और अल्ट्रा मेगा (1000 करोड़ रुपये से अधिक) को शामिल किया गया है। इसमें से हर एक के लिए रोजगार और निवेश सीमाएं पहले से ही तय की गई हैं। इस नीति में 10% से 20% तक की पूंजीगत सब्सिडी शामिल है, जो संचालन के 8वें से 15वें वर्ष तक किश्तों में वितरित की जाती है। पहाड़ी जिलों (श्रेणी ए और बी) में निवेश के लिए 1-2% की अतिरिक्त सब्सिडी प्रदान की जाती है। यह स्टांप शुल्क प्रतिपूर्ति में 50 लाख रुपये तक की पेशकश भी करता है।

#ExploreUttarakhand

@DIPR_UK

Text by Taresh Dutta

READER ENGAGEMENT INITIATIVE

क्रिकेटर पृथ्वी शॉ की सगाई टूटी

मंगेतर आकृति अग्रवाल ने अलग होने की घोषणा की

मुंबई । भारतीय क्रिकेट टीम से बाहर चल रहे सलामी बल्लेबाज पृथ्वी शॉ की पेशेवर जिंदगी के साथ-साथ निजी जिंदगी भी मुश्किलों से गुजर रही है। पृथ्वी एक बार फिर से अपनी निजी जिंदगी को लेकर चर्चा में हैं। पृथ्वी की मंगेतर आकृति अग्रवाल ने सोशल मीडिया के माध्यम से उनसे अलग होने की जानकारी साझा की है। आकृति ने इंस्टाग्राम के जरिए पृथ्वी शॉ से अलग होने की जानकारी दी। उन्होंने लिखा, 'भारी मन से, मैं यह बताना चाहती हूं कि मेरे मंगेतर और मैंने अपने भविष्य के लिए अलग-अलग लक्ष्यों और हालात की वजह से अलग होने का फैसला किया है। हम एक-दूसरे से जितना प्यार और परवाह करते हैं, हमने यह मान लिया है कि हमारे रास्ते साथ रहने के लिए नहीं बने हैं। अपनी जिम्मेदारियों और अभी जिन हालात का हम सामना कर रहे हैं, उन्हें देखते हुए हमने आपसी सहमति से अलग होने का फैसला किया है। ' आकृति ने आगे लिखा, 'मैं सच में हम दोनों के लिए आगे बढ़ने के लिए सबसे अच्छी शांति और खुशी की कामना करती हूं। मैं सभी से अनुरोध करती हूं कि इस मुश्किल समय में हमारी निजता का सम्मान करें और हमारे फैसले के पीछे के कारणों के बारे में अंदाजा लगाने से बचें। हमारी जगह को समझने और उसका सम्मान करने के लिए धन्यवाद। '

पृथ्वी शॉ और सोशल मीडिया इन्फ्लुएंसर और अभिनेत्री आकृति अग्रवाल ने 8 मार्च, 2026 को सगाई की थी। पिछले कुछ दिनों से दोनों के रिश्तों में खटास की खबरें आ रही थीं। आकृति के सोशल मीडिया पोस्ट ने उस पर मुहर लगा दी है।

26 साल के पृथ्वी शॉ को एक समय भारतीय क्रिकेट का अगला तेंदुलकर माना जा रहा था। 2018 में मात्र 18 साल की उम्र में शॉ ने वेस्टइंडीज के खिलाफ टेस्ट में डेब्यू किया था और शतक लगाया था। हालांकि, बाद में उनके फॉर्म में गिरावट आई और वे टीम से बाहर हो गए। फिलहाल उन्हें घरेलू क्रिकेट और आईपीएल में भी अपनी जगह के लिए संघर्ष करना पड़ रहा है।

संक्षिप्त समाचार

डब्ल्यूबीबीएल के 12वें सीजन में भी मेलबर्न रेनेगेड्स के लिए खेलेंगी डिएंड्रा डॉटिन

मेलबर्न । आगामी विमेंस बिग बैश लीग (डब्ल्यूबीबीएल) सीजन से पहले मेलबर्न रेनेगेड्स को बड़ी राहत मिली है। वेस्टइंडीज की स्टार ऑलराउंडर डिएंड्रा डॉटिन ने एक और सीजन टीम रेनेगेड्स की तरफ से खेलने की पुष्टि की है। टी20 क्रिकेट की सबसे दमदार ऑलराउंडरों में से एक मानी जाने वाली डॉटिन डब्ल्यूबीबीएल 11 में टीम के सभी मैचों में खेलने के बाद रेनेगेड्स के साथ अपना तीसरा सीजन शुरू करेंगी। उनकी वापसी रेनेगेड्स द्वारा वेस्टइंडीज की ऑलराउंडर हेली मैथ्यूज के साथ फिर से करार करने के बाद हुई है।

इस जोड़ी ने डब्ल्यूबीबीएल 10 में मेलबर्न की पहली डब्ल्यूबीबीएल खिताबी जीत में अहम भूमिका निभाई थी और अब आगामी सीजन के लिए वे फिर से एक साथ (रेड जर्सी में) खेलेंगी। चोट के कारण मैथ्यूज डब्ल्यूबीबीएल के 11वें सीजन नहीं खेल पाई थीं, जबकि डॉटिन रेनेगेड्स के अभियान का अहम हिस्सा बनी रहीं।

मेलबर्न रेनेगेड्स के हाई परफॉर्मेंस मैनेजर क्लिंट मैके ने डॉटिन की वापसी का स्वागत करते हुए कहा कि वेस्टइंडीज की यह स्टार खिलाड़ी टीम में काफी अनुभव और मैच जिताने की काबिलियत लाएगी। मैके ने कहा, डिएंड्रा दुनिया की सबसे असरदार खिलाड़ियों में से एक हैं और हम मेलबर्न रेनेगेड्स में उनकी वापसी का स्वागत करते हुए बहुत खुश हैं।

चोट से वापसी के बाद आत्मविश्वास की जरूरत होती है: नीतीश रेड्डी

नई दिल्ली । अफगानिस्तान के खिलाफ खेले गए दूसरे टी20 इंटरनेशनल मुकाबले में चोट से वापसी कर रहे नीतीश कुमार रेड्डी को एक बड़ा बूस्ट मिला। नीतीश ने शानदार गेंदबाजी करते हुए 3 विकेट अपने नाम किए, जिसके लिए उन्हें 'प्लेयर ऑफ द मैच' भी चुना गया। सीरीज के पहले मैच में औसत प्रदर्शन के बाद, नीतीश ने कहा कि दूसरे मैच में मिले अच्छे प्रदर्शन से उन्हें वह आत्मविश्वास

मिला जिसकी उन्हें वापसी के दौरान जरूरत थी। नीतीश ने बुधवार को बीसीसीआई के एक वीडियो में कहा, 'बहुत अच्छा लग रहा है। चोट से वापसी करने वाले हर खिलाड़ी को आत्मविश्वास की जरूरत होती है। सच कहूं तो, पहला मैच मेरे लिए उतना अच्छा नहीं रहा था, लेकिन दूसरे मैच में अपने प्रदर्शन से बहुत खुश हूं, क्योंकि किसी भी खिलाड़ी को ऐसे आत्मविश्वास की जरूरत होती है और मुझे उम्मीद है कि मैं इस आत्मविश्वास को आगे भी बनाए रखूंगा।' नीतीश ने 24 रन देकर 3 विकेट चटकाए। उन्होंने अहम भूमिका निभाते हुए भारत को अफगानिस्तान को 159/8 पर रोकने और फिर 7 विकेट शेष रहते हुए लक्ष्य हासिल करने में मदद की। 22 वर्षीय खिलाड़ी का यह शानदार प्रदर्शन ऐसे समय आया, जब उन्होंने हाल ही में बताया था कि फिटनेस हासिल करने के लिए उन्होंने बीसीसीआई सेंटर ऑफ एक्सीलेंस में कड़ी मेहनत की थी।

> सिंधु का नाम कोरिया ओपन सुपर सीरीज जीतने वाली पहली भारतीय शटलर के रूप में दर्ज है।

2017 में कोरिया ओपन सुपर सीरीज जीतने वाली

सिंधु बनीं भारत की पहली खिलाड़ी

नई दिल्ली । भारतीय बैडमिंटन की दुनिया में मौजूदा समय का सबसे बड़ा नाम पीवी सिंधु का है। सिंधु ने अपने बेहतरीन खेल की वैश्विक मंचों पर सफलता हासिल करते हुए देश का नाम रोशन किया है। दो ओलंपिक पदक जीत चुकी सिंधु का नाम कोरिया ओपन सुपर सीरीज जीतने वाली पहली भारतीय शटलर के रूप में दर्ज है। 17 सितंबर 2017 को पीवी सिंधु कोरिया ओपन सुपर सीरीज जीतने वाली पहली भारतीय बैडमिंटन खिलाड़ी बनी थीं। सिंधु ने फाइनल में जापान की नोजोमी ओकुहारा को एक घंटे 24 मिनट तक चले मुकाबले में 22-20, 21-11 और 21-18 से हराकर खिताब जीता था। 1991 में शुरू हुए इस टूर्नामेंट के 26 साल के इतिहास में सिंधु भारत की तरफ से पहली विजेता बनी थीं। हालांकि, इस सफलता से पहले ही सिंधु अपना अंतरराष्ट्रीय स्तर पर एक सफल बैडमिंटन खिलाड़ी के रूप में स्थापित कर चुकी थीं।

5 जुलाई 1995 को हैदराबाद में जन्मी सिंधु ने बैडमिंटन की दुनिया में बड़ी सफलता हासिल की है। वह भारत की सबसे सफल बैडमिंटन खिलाड़ी के रूप में प्रतिष्ठित हैं। सिंधु की उपलब्धियों पर गौर करें तो उन्होंने 2016 रियो ओलंपिक में रजत और 2020 टोक्यो ओलंपिक में कांस्य पदक जीता था। 2019 में वह महिला एकल में विश्व चैंपियन रही थीं। 2018 और 2022 कॉमनवेल्थ गेम्स में स्वर्ण पदक जीत चुकी हैं। सिंधु ने 2018 एशियन गेम्स में रजत और 2014 एशियन गेम्स में कांस्य पदक जीता था। वह बैडमिंटन वर्ल्ड चैंपियन बनने वाली पहली और इकलौती भारतीय हैं और ओलंपिक गेम्स में लगातार दो मेडल जीतने वाली भारत की दूसरी व्यक्तिगत खिलाड़ी हैं। 31 साल की सिंधु का एक बैडमिंटन खिलाड़ी के तौर पर सफर अभी भी जारी है। भारत सरकार पीवी सिंधु को बैडमिंटन के क्षेत्र में उनके योगदान को देखते हुए खेल रत्न, अर्जुन पुरस्कार, पद्मभूषण, और पद्मश्री से सम्मानित कर चुकी है।

एशियन गेम्स 2026

फातिमा सना की कप्तानी पारी

थाईलैंड को हराकर पाकिस्तान ने कटाया सेमीफाइनल का टिकट

निशिन । पाकिस्तान महिला क्रिकेट टीम ने एशियन गेम्स 2026 के सेमीफाइनल में जगह बना ली है। कोरोगी स्पोर्ट्स पार्क में खेले गए क्वार्टर फाइनल मुकाबले में पाकिस्तान ने थाईलैंड को 3 विकेट से हराया। झमाझम बारिश के चलते गीली आउटफील्ड के कारण इस मैच को 11-11 ओवर का किया गया। पहले बल्लेबाजी करते हुए थाईलैंड की बल्लेबाजों का प्रदर्शन दमदार रहा। उन्होंने 11 ओवर में 4 विकेट खोकर 91 रन

स्कोरोबोर्ड पर लगाए। टीम की तरफ से नानापत कोंचारोएनकाई ने बेहतरीन बल्लेबाजी करते हुए 38 गेंदों में 49 रनों की दमदार पारी खेली। उन्होंने अपनी इस पारी में 7 चौके लगाए। वहीं, फन्निता माया ने 16 गेंदों में 15 रन बनाए, जबकि कप्तान नारुएमोल चाईवाई ने 3 गेंदों में 10 रन बनाए। पाकिस्तान की ओर से गेंदबाजी में कप्तान फातिमा सना का प्रदर्शन शानदार रहा। उन्होंने 3 ओवर के स्पेल में 22 रन देकर 2 विकेट चटकाए, जबकि नशरा संधू ने एक विकेट अपने नाम किया।

लक्ष्य का पीछा करने उतरी पाकिस्तान टीम को गुल फिरोजा और शवाल जुल्फिकार ने धमाकेदार शुरुआत दी। दोनों ने पहले विकेट के लिए सिर्फ 3.5 ओवर में 36 रन जोड़े। फिरोजा 13 गेंदों में 16 रन बनाकर आउट हुईं। वहीं, जुल्फिकार ने 178 के स्ट्राइक रेट से खेलते हुए 14 गेंदों में 3 चौके और एक छक्के की मदद से 25 रन बनाए। आयशा जाफर बल्ले से कुछ खास कमाल नहीं दिखा सकीं और एक रन बनाकर आउट हुईं। पाकिस्तान का बल्लेबाजी क्रम अचानक से बुरी तरह से लड़खड़ा गया और टीम ने 11 रन जोड़कर अपने 4 विकेट गंवा दिए।

6 शतक और 500 से अधिक विकेट लेने वाले इकलौते खिलाड़ी

नई दिल्ली, । भारत के दिग्गज स्पिनर्स का जब जिक्र होता है, तो उस लिस्ट में रविचंद्रन अश्विन का नाम भी शान से लिया जाता है। अश्विन ने अपने इंटरनेशनल करियर में वो तमाम उपलब्धियां हासिल कीं, जिसका सपना एक क्रिकेटर देखता है। अश्विन टेस्ट क्रिकेट में सबसे तेज 250 और 300 विकेट पूरे करने वाले गेंदबाज रहे।

अश्विन का जन्म 17 सितंबर, 1986 को चेन्नई में हुआ। अश्विन के पिता खुद एक मध्यम गति के गेंदबाज थे और पिता को देखकर ही अश्विन क्रिकेट से परिचित हुए। धीरे-धीरे अश्विन का लगाव क्रिकेट के प्रति बढ़ता चला गया। अश्विन अपने करियर की शुरुआत में सलामी बल्लेबाज हुआ करते थे।

हालांकि, 14 वर्ष की उम्र में अश्विन बुरी तरह से चोटिल हो गए थे, जिसके कारण उन्हें काफी समय तक क्रिकेट से दूर रहना पड़ा। इसके बाद अश्विन ने क्रिकेट के मैदान पर वापसी की, तो सलामी बल्लेबाज की जगह भर चुकी थी। मां के कहने पर अश्विन ने स्पिन गेंदबाजी में हाथ आजमाए और जल्द ही वह इसमें रम गए।

अश्विन ने इसके बाद घरेलू क्रिकेट में लगातार अच्छा प्रदर्शन किया। साल 2010 में उन्हें भारतीय टीम से बुलावा आया। जिम्बाब्वे के खिलाफ अश्विन ने वनडे फॉर्मेट में अपना इंटरनेशनल डेब्यू किया। इसी साल उन्होंने अपना टी20 इंटरनेशनल डेब्यू किया। वहीं, क्रिकेट के सबसे लंबे फॉर्मेट में अश्विन को डेब्यू करने का मौका 2011 में वेस्टइंडीज के खिलाफ मिला। अश्विन ने अपनी बेहतरीन गेंदबाजी के बूते जल्द ही भारतीय टीम में अपनी जगह पक्की कर ली।

अश्विन विश्व कप 2011 में चैंपियन बनी भारतीय टीम का हिस्सा भी रहे। वहीं, 2013 में उन्होंने एमएस धोनी की कप्तानी में टीम इंडिया को चैंपियंस ट्रॉफी का खिताब जिताने में भी अहम भूमिका निभाई। अश्विन ने भारत के लिए खेले 106 टेस्ट मैचों में कुल 537 विकेट चटकाए।

पाकिस्तान का नया ड्रामा

एशियन चैंपियंस ट्रॉफी के लिए हॉकी टीम को भारत भेजने से किया इनकार, न्यूट्रल वेन्यू की मांग

नई दिल्ली। पाकिस्तान ने भारत के साथ 'संवेदनशील द्विपक्षीय स्थिति' का हवाला देते हुए बुधवार को एशियाई चैंपियंस ट्रॉफी (एसीटी) के लिए अपनी पुरुष राष्ट्रीय हॉकी टीम को भारत भेजने से इनकार कर दिया। साथ ही पाकिस्तान की तरफ से एशियाई हॉकी महासंघ (एएचएफ) से टूर्नामेंट या उसके सभी मुकाबलों को न्यूट्रल वेन्यू पर स्थानांतरित करने का अनुरोध किया। पाकिस्तान हॉकी महासंघ (पीएचएफ) ने कहा कि वह पुरुष एशियाई चैंपियंस ट्रॉफी में पाकिस्तान की निर्बाध और पूर्ण भागीदारी सुनिश्चित करने के लिए तटस्थ स्थल चाहता है। बता दें कि यह टूर्नामेंट 27 अक्टूबर से पांच नवंबर तक मोहाली और जालंधर में आयोजित किया जाएगा। पीएचएफ के अंतरिम अध्यक्ष मोहिउद्दीन अहमद वानी ने एक बयान में कहा कि उन्होंने पूरे टूर्नामेंट या पाकिस्तान के सभी मुकाबलों को न्यूट्रल वेन्यू पर स्थानांतरित करने का अनुरोध किया है।

इशान किशन नंबर 1

अभिषेक शर्मा टॉप-5 में, 2026 में इंटरनेशनल क्रिकेट में सबसे ज्यादा 6 लगाने वाले फुल मेंबर्स टीम के शीर्ष-10 बैटर

नई दिल्ली। भारतीय टीम के विकेटकीपर-बल्लेबाज इशान किशन ने अफगानिस्तान के खिलाफ 3 मैचों की टी20 सीरीज के पहले दो मैचों में काफी अच्छी बल्लेबाजी की और साल 2026 में इंटरनेशनल क्रिकेट में सबसे ज्यादा छ्क्के लगाने वाले (ये आंकड़े आईसीसी के फुल मेंबर्स टीम के खिलाड़ियों के ही हैं) बल्लेबाजों की लिस्ट में पहले नंबर पर आ गए। इशान किशन ने इस मामले में शिमरोन हेटमायर को पीछे छोड़ दिया जबकि इस लिस्ट में अभिषेक शर्मा टॉप-5 में शामिल हैं। इशान किशन ने साल 2026 में अब तक क्रिकेट के तीनों प्रारूपों (टेस्ट,वनडे,टी20आई) को मिलाकर कुल 30 मैच खेले हैं और इन मैचों में उन्होंने 52 छक्के लगाए हैं और वो खबर लिखे जाने तक इंटरनेशनल क्रिकेट में सबसे ज्यादा छक्के लगाने वाले बल्लेबाजों की लिस्ट में पहले नंबर पर आ गए हैं।

ज्यादा छक्के

इशान किशन- 52 छक्के
शिमरोन हेटमायर- 50 छक्के
हैरी ब्रुक- 48 छक्के
अभिषेक शर्मा- 42 छक्के
डेवाल्ड ब्रेविस- 37 छक्के
शिवम दुबे- 34 छक्के
कॉनर एस्टरहुइजेन- 32 छक्के
संजू सैमसन- 32 छक्के
दासुन शनाका- 30 छक्के
तंजीद हसन- 30 छक्के
शेरफेन रदरफोर्ड- 28 छक्के
फिन एलन- 26 छक्के